

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने धूमधाम से मनाई महाराज अग्रसेन की 5149वीं जयंती

महाराज अग्रसेन के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक: श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने शमशाबाद स्थित क्लासिक कन्वेंशन सेंटर 3 में महाराज अग्रसेनजी की 5149वीं जयंती को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस भव्य कार्यक्रम में आईटी मंत्री श्रीधर बाबू, तेलंगाना सरकार के सलाहकार वेणुगोपाल चारी, पूर्व सांसद डॉ. गिरिश कुमार संधी और अर्बन कंपनी के सीईओ वरुण खेतान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

आईटी मंत्री श्रीधर बाबू ने सभी अग्रबंधुओं को जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महाराजा अग्रसेनजी द्वारा 5000 साल पहले स्थापित एक रुपया, एक ईंट और समाज सेवा के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि समाज तभी विकसित हो सकता है जब हम सभी को साथ लेकर चलें। मंत्री ने अग्रवाल समाज की देश के राजस्व में 20 प्रतिशत के योगदान की सराहना की और कहा कि जहाँ भी सेवा का कार्य होता है, वहाँ अग्रवाल समाज का नाम अवश्य होता है।

उन्होंने यह भी बताया कि तेलंगाना सरकार सभी वर्गों, जैसे किसान, युवा और महिलाओं को साथ लेकर चल रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना निवेश के क्षेत्र में देश में सबसे आगे है और मुख्यमंत्री की उदार नीतियों के कारण कई बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ यहाँ अपना काम शुरू कर चुकी हैं। मंत्री ने अग्रवाल समाज के उद्यमियों और व्यापारियों से भविष्य में भी राज्य के विकास में सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने समाज द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्यों जैसे अन्नदान, गौ सेवा, विधवा पेंशन और महिला सशक्तिकरण की भी प्रशंसा की।

डॉ. वेणुगोपाल चारी ने अग्रवाल समाज को एकजुटता के साथ सेवा कार्यों में योगदान देने के लिए बधाई दी और इसे सभी के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बताया। उन्होंने 'राइजिंग तेलंगाना' के मुख्यमंत्री के लक्ष्य में निवेश कर राज्य की प्रगति में योगदान देने का आह्वान किया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने अपने 81 दिनों के कार्यकाल के दो प्रमुख लक्ष्यों के बारे में बताया। पहला, सदस्यता अभियान के तहत एक लाख समाजबंधुओं को जोड़ना और दूसरा, प्रिविलेज कार्ड की सुविधा प्रदान करना, जिससे 400 से अधिक सर्विस प्रोवाइडर्स को जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन लक्ष्यों को दिसंबर तक पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। सलाहकार बट्टीविशाल बंसल ने बताया कि सदस्यता अभियान के पहले चरण में 11,000 नए सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद डॉ. गिरिश संधी और अर्बन कंपनी के सीईओ वरुण खेतान (उनके पिता नरेंद्र खेतान ने यह सम्मान ग्रहण किया) को अग्र रत्न से सम्मानित किया गया। सह-मंत्री और जयंती की प्रधान संयोजक डॉ. सीमा जैन ने सभी का स्वागत



करते हुए दानदाताओं, प्रायोजकों, समाज बंधुओं और अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर राजीव गांधी एयरपोर्ट के डीआईजी एस. के. मोहनका, कमांडेंट ओम हरि सहित समाज के विभिन्न पदाधिकारी, शाखा अध्यक्ष, संयोजक और बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित थे, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में समाज अध्यक्ष: अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष: रूपेश अग्रवाल, मानद मंत्री: विकास केशान, सह सचिव और मुख्य संयोजिका: डॉ. सीमा जैन, कोषाध्यक्ष और सहसंयोजक: अचल गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष: मनीष गुप्ता तथा अन्य पदाधिकारियों में दिनेशचंद्र अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, प्रतीक नरसरिया, दीपा भालोटिया, बट्टीविशाल बंसल, डॉ. अंजनी कुमार अग्रवाल, चंद्रकांत डाकोतिया, विनोद कुमार अग्रवाल, हरीश गुप्ता, शरद बी. पिती, सुरेंद्र अग्रवाल, डॉ. आर. एन. गुप्ता, सुरेश कुमार सिंघल, रामकुमार गोयल, विनय सी. अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, करोड़ीमल अग्रवाल, अजीत गुप्ता, मेघराज अग्रवाल, दुर्गा प्रसाद नरेठा, सुभाष अग्रवाल, नरेश कुमार चौधरी, गोविंद अग्रवाल, मेधा अग्रवाल, पुरुषोत्तम गुप्ता, कपिश अग्रवाल, सुभाषचंद्र अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, हेमंत डियोरा, अंशुल अग्रवाल, रोशन अग्रवाल, ध्रुव अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, शिखा गोयल, संजीव कुमार अग्रवाल, ऋषभ अग्रवाल, डिम्पल अग्रवाल, सत्यनारायण फोगला, मुकेश कुमार अग्रवाल, उमेश गुप्ता, प्रवीण कुमार जैन, नवीन बंसल, सुनील कुमार अग्रवाल, अनिल कुमार केडिया, कैलाशचंद्र केडिया, नकुल गुप्ता, ऊषा अग्रवाल, संजय गोयल, सुमित कुमार बंसल, तरुण तुलस्यान, अशोक पोद्दार, अशोक अग्रवाल, रजनी

अग्रवाल, शशि कुमार जालान, प्राची अग्रवाल, हरिकृष्ण सौथलिया, डॉ. दिलीप पंसारि, रीना गुप्ता, संजीव गुप्ता, विनीत कुमार गोयल, बृजराज अग्रवाल, गीता अग्रवाल, के.पी. अग्रवाल, अनिल धरसुवाला, दीपा अग्रवाल, उमेश कुमार ज़िंदल, प्रिया अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, सज्जन कुमार सराफ, संजय कुमार अग्रवाल, महेश कानोडिया, साई प्रसाद गुप्ता, अमित अग्रवाल, सरला शाह, अशोक ज़िंदल, निशा गुप्ता, काशी जैन, राजकुमार पंसारि, संजय कुमार अग्रवाल, सुनील कुमार अग्रवाल, पवन नरेठा, महेंद्र खेतान, मुन्नालाल अग्रवाल, पंकज कुमार संधी, करण गोयल, रेखा अग्रवाल, हर्ष बंसल, प्रशांत अग्रवाल, राहुल गोयल, हृदय अग्रवाल, विनय कुमार गुप्ता, हेमलता, वर्षा अग्रवाल, विनोद गुप्ता, सीए जयप्रकाश गोयल, दिनेश शाहबाजपुरिया, प्रदीप कुमार अग्रवाल, हार्दिक अग्रवाल, दीपक गोयल, समीक्षा केडिया, गोपाल अग्रवाल, प्रशांत धनावत, रिकु गर्ग, मोहित अग्रवाल, अभिनव अग्रवाल, जितेंद्र कुमार मित्तल, सोनू अग्रवाल, रानी मित्तल, गर्व अग्रवाल, राकेश कुमार अग्रवाल, धीरज खेतान, मांगीलाल धानुका, प्रतिमा अग्रवाल, रामकिशन अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, अनिल गोयल, सीमा मोदी, कविता अग्रवाल, उमा शंकर गोयनका, कृष्ण कुमार अग्रवाल, रतीश केडिया, प्रफुल्लचंद्र, पूर्वा गुप्ता, पंकज मित्तल, दीपा भालोटिया, रिनु अग्रवाल, विमल सराफ, दौलत नरसिंहपुरिया, सर्वेश कानोडिया, प्रवीण अग्रवाल, मनोज मित्तल, सुशील जालान, पूजा गुप्ता, हनुमानदास अग्रवाल, संजय भालवाले, नवीन कुमार अग्रवाल, प्रशांतदेव गुप्ता, राकेश कुमार अग्रवाल, राकेश कुमार गनैरीवाल, महेश कुमार अग्रवाल, पवन कुमार टिबडेवाल, संजय अग्रवाल, नवलकिशोर अग्रवाल,

रमेश कुमार अग्रवाल, अशोक कुमार अग्रवाल, दुर्गाप्रसाद बंसल, नवीन कुमार अग्रवाल, विजय कुमार जैन, समीर भगत, सुरेश धुवालिया, नरेश गोयल, सतीश कुमार गोयल, अनिल कुमार गर्ग, प्रदीप अग्रवाल, विशम्भर अग्रवाल, संतोष टांटिया, सुरेश अग्रवाल, राकेश पचेरिया, सज्जन अग्रवाल, राजेंद्र शशि, सुनील अग्रवाल, अनिल कुमार अग्रवाल, विपिन कुमार अग्रवाल, रमा

बाजोरिया, अजय अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, राजेश कुमार गोयल, महेंद्र अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, रमेशचंद्र अग्रवाल, महेश नरेठा, अनिल अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोविंद नारायण मोदी, सुरेशचंद्र गुप्ता, रितेश अग्रवाल, अनु केडिया, रोहित जैन, शिव कुमार अग्रवाल, हरिगोविंद प्रसाद, सतीश कुमार अग्रवाल, रामगोपाल दादावाले, सुनील कुमार केडिया,

प्रतीक कुमार नरसरिया, सुभाष गर्ग, गिरध-रीलाल अग्रवाल, पवन टिबडेवाल, अशोक बंसल, हेमचंद्र गुप्ता, संजय गुप्ता, दीपक अग्रवाल, संदीप मित्तल, गोविंद पिती, पंकज गोयनका, राकेश कुमार जालान, श्यामसुंदर अग्रवाल, रमेश गुप्ता, शिवशंकर भगेरिया, सुमन गुप्ता, नरेंद्र कुमार गोयल, आनंद अग्रवाल, राजेश सिंघल, सचिन गोयल, कैलाश बंसल, बीना अग्रवाल, निधि अग्रवाल, बरखा अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, ममता अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, प्रीति गोयल, सुनैना नरसरिया, बिंदु गुप्ता, कविता गोयल, कविता संधी, आरती अग्रवाल, सुनीता तुलस्यान, प्रियंका डोकानिया, सुमन अग्रवाल, शिल्पा धानुका, किरण अग्रवाल, शीतल रंगटा, चिराग गादिया, लोकेश संघाई, अर्पित गोयल, शिवेश गोयल, महक संधी, राम अग्रवाल, अभिनव मोर, अभय अग्रवाल, जया अग्रवाल, केशव सराफ, रजत केडिया, अमन बंसल, राहुल कुमार गुप्ता, मयंक अग्रवाल, कृष्णा खेतान, हर्ष अग्रवाल, तान्या अग्रवाल, कनक अग्रवाल, उत्कर्ष तालुका, ऋषभ जैन, विनीत कुमार अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, सुधांशु अग्रवाल, पीयूष अग्रवाल, सूर्यकमल गुप्ता, संजय पंसारि, दिनेशचंद्र अग्रवाल, कमल अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, सुरेश टंडन, प्रेम अग्रवाल, जिला समन्वयक महेंद्र अग्रवाल, मुकुंदलाल अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, टी. सुनील कुमार, डी. पी. अग्रवाल एवं अन्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव में भाग लिया



हैदराबाद, 23 सितंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को पूर्व सांसद डॉ. गिरिश कुमार संधी के साथ मिलकर महाराज अग्रसेन की जयंती के अवसर पर हैदराबाद के बंजारा हिल्स में स्थापित महाराजा अग्रसेन की विशाल प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। यह आयोजन बंजारा हिल्स स्थित

महाराजा अग्रसेन चौक, रोड नंबर 12 पर 5149वें जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के साथ, उप-मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का, विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद, हैदराबाद की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी और खैरताबाद के विधायक दानम नागेन्द्र ने

दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने समाज बंधुओं को महाराजा अग्रसेन की 5149वीं जयंती की शुभकामनाएं दीं। डॉ. गिरिश कुमार संधी की अध्यक्षता में, समाज बंधुओं ने सभी अतिथियों का मंच पर पुष्पमाला और शॉल भेंट कर विशेष सम्मान किया।

श्री फलौदी स्वीचन लोहावट जैन संघ का तृतीय सम्मेलन सम्पन्न



हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री फलौदी खीचन लोहावट जैन संघ का तृतीय सम्मेलन श्री त्रिभुवन पार्श्वनाथ 72 जिनालय, मेदचल में धूमधाम से संपन्न हुआ। संघ के सदस्य बाजे-गाजे के साथ मेदचल तीर्थ पहुंचे। नास्ते के बाद, सभी ने पूजा के वस्त्र धारण किए और अष्टपंक्ति पूजा सामग्री के साथ प्रभु के दर्शन किए। इस धार्मिक कार्यक्रम में योगेश जी झबक और राकेश जी झबक की टीम

द्वारा स्नात्र पूजा की गई। पूजा के बाद, सभी भक्तों ने भोजन किया और फिर संघ का सम्मेलन हुआ। सुनील पारिख और धर्मेन्द्र झबक ने पूरे वर्ष के कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया। सम्मेलन के दौरान कई तरह के खेल भी आयोजित किए गए और विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। सम्मेलन का लाभ उठाने वाले लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रकाशजी, अशोकजी, सुभाषजी लूनिया, सुरेशजी, किशोरजी गो-

लेचा, पृथ्वीराजजी, सुनीलजी, अनिलजी, कुशलजी, स्वरूपजी, दिलीपजी, विकासजी पारख, मधुरजी बाफना, धर्मेन्द्रजी, विजयजी, शुभम जी कोचर, मनोजजी, संजयजी, करुणजी, ललितजी, महावीरजी बैद, धर्मेन्द्रजी, योगेशजी, राकेशजी, तनुजजी झबक, महावीरजी लालवानी और कई अन्य सदस्यों ने भाग लिया। अंत में, प्रकाश जी लूनिया ने सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद किया।

अ. भा. तेरापंथ महिला मंडल अधिवेशन में राष्ट्रीय स्तर पर महानगर श्रेणी में हैदराबाद महिला मंडल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ

हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का 50वां राष्ट्रीय अधिवेशन अहमदाबाद में परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में आयोजित हुआ। इस अधिवेशन में 270 से अधिक क्षेत्रों से लगभग 1200 बहनों ने भाग लिया।

हैदराबाद से वर्तमान अध्यक्ष नमिता सिंधी, निवर्तमान अध्यक्ष कविता आच्छा, मंत्री निशा सेठिया, उपाध्यक्ष सुशील मोदी और प्रभा दुगड़, सह-मंत्री मीनाक्षी सुराणा और प्रचार-प्रसार मंत्री मनीषा सुराणा और हर्ष लता दधोडिया ने इसमें अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।



इस अवसर पर गुरुदेव ने कहा कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल तेरापंथ की सक्रिय संस्थाओं में से एक है और सराहनीय कार्य कर रही है। साध्वी प्रमुखा विश्रुतविभा जी ने भी बहनों के निस्वार्थ सेवाभाव की सराहना की और उन्हें पद पर रहते हुए या पदमुक्त होने के बाद भी संघ सेवा की भावना से कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया। साध्वी श्री डॉ. गवेषणा श्री जी ने

हैदराबाद तेरापंथ महिला मंडल को एक सक्रिय संस्था बताते हुए कहा कि इन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार जीतकर ऊँचाइयों को छुआ है।

अधिवेशन में दो वर्षों (2023-25) के कार्यों का मूल्यांकन किया गया। इसी कड़ी में, हैदराबाद महिला मंडल को महानगर श्रेणी में पूरे भारत में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसके साथ ही, मंडल को 22 ट्राफियों

और सम्मान पत्रों से सम्मानित किया गया, जो उनके विभिन्न कार्यों जैसे प्रवर्धन कार्यशाला, श्रृंखलाबद्ध पौषध व्रत, श्री उत्सव, 'एक बूंद एक सागर' जल संरक्षण में वाटर कूलर का उद्घाटन, तेला तप, प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला, ऑनलाइन क्लास, और भावना चौका आदि के लिए दिए गए।

इस अधिवेशन में हैदराबाद की सदस्यों ने व्यक्तिगत स्तर पर भी

उत्कृष्ट प्रदर्शन किया: रंजू बैद ने 'तेरापंथ दर्शन' द्वितीय वर्ष में पूरे भारत में प्रथम स्थान प्राप्त किया। रेखा संकलेचा ने 'तेरापंथ तत्व विद्या' भाग-2 में पूरे भारत में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

इन बहनों और मंडल को राष्ट्रीय स्तर पर मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में, हैदराबाद की सदस्य श्रीमती शिल्पा सुराणा का चयन एबीटीएमएमकी कार्यकारिणी सदस्य के रूप में हुआ।

निवर्तमान अध्यक्ष कविता जी आच्छा और मंत्री सुशीला मोदी के सफल नेतृत्व में 2023-25 का कार्यकाल सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। महिला मंडल की इन विशेष उपलब्धियों पर सभी ने बधाई दी।



हैदराबाद की एसेट एनएक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सिद्धार्थ शाह और निशित शाह ने विजयवाड़ा स्थित होटल नोवोटेल में केंद्रीय विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान, उन्होंने हेरिटेज फूड्स की वाइस चेयरपर्सन और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की पत्नी एन. धुवनेश्वरी देवी से भी मुलाकात की।

रिमी सेन ने जब रियलिटी शो बिग बॉस को बताया था जेल



बैन करने की कर डाली थी डिमांड

रिमी सेन, जिनका असली नाम शुभमित्रा सेन है, एक भारतीय अभिनेत्री और फिल्म प्रोड्यूसर हैं, जो मुख्य रूप से हिंदी सिनेमा में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। 21 सितंबर 1981 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल में जन्मी रिमी ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और विज्ञापनों से की थी। अभिनेत्री रिमी सेन ने अपने करियर में कई हैरान कर देने वाले फैसले लिए। ऐसा ही एक किस्सा उनकी रियलिटी शो 'बिग बॉस 9' में भागीदारी से जुड़ा है, जहां उन्होंने साबित कर दिया कि वह बाकी कंटेस्टेंट्स से बिल्कुल अलग हैं। जहां बिग बॉस के घर में हर कंटेस्टेंट जीतने और फेम के लिए संघर्ष कर रहा था, वहीं रिमी सेन सिर्फ घर से बाहर निकलने का रास्ता ढूंढ रही थीं। उनकी यह उदासीनता न केवल घर के बाकी सदस्यों के लिए बल्कि खुद शो के होस्ट सलमान खान के लिए भी एक बड़ा सवाल था। एक टास्क के दौरान, उन्होंने घर के नियमों का उल्लंघन किया और साफ-साफ कह दिया कि उन्हें यह गेम पसंद नहीं है। उन्होंने खुले तौर पर यह भी कह दिया था कि वह यहां पैसों के लिए नहीं आई हैं बल्कि उनके पास पहले से ही बहुत पैसा है। उनका यह बयान रातोंरात वायरल हो गया और उन्हें दर्शकों से बहुत आलोचना मिली। लेकिन रिमी सेन ने इसकी परवाह नहीं की। यह उनका एकमात्र बड़ा टीवी अपीयरेंस था,

लेकिन शो में उनके एटिट्यूड और बयानबाजी ने खूब सुर्खियां बटोरीं। रिमी सेन को शो की सबसे 'इरिटेटिंग' और 'कुछ न करने वाली' कंटेस्टेंट माना गया, जिससे घरवाले परेशान रहे। यहां तक कि होस्ट सलमान खान ने कई बार उनकी क्लास लगाई। शो से बाहर आने के बाद रिमी ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि 'बिग बॉस' का घर उनके लिए जेल जैसा था। उन्होंने कहा, कितना अच्छा लग रहा है। ऐसा लग रहा है जैसे जेल से बाहर आ गई हूं। ये जो 2-3 हफ्ते मैंने बिग बॉस के घर में बिताए, उन्होंने मुझे रिशतों के साथ-साथ लाइफ में मेरी आजादी की वैल्यू भी सिखा दी। अब मुझे बाहर बर्तन भी नहीं धोने पड़ेंगे जैसे बिग बॉस के घर में धोती थी।

रिमी ने शो को 'यूजलेस' (बेकार) भी बताया और कहा कि उन्हें पहले लगता था कि यह स्क्रिप्टेड है, लेकिन अंदर जाकर पता चला कि यह पूरी तरह रियल है और यही उन्हें परेशान कर गया।

शो में वे मात्र 49 दिनों तक रहीं, लेकिन इसके लिए उन्हें 2.25 करोड़ रुपए की मोटी फीस मिली। बाद में उन्होंने स्वीकार किया कि पैसे के लालच में ही शो किया था। इतना ही नहीं, शो के दौरान रिमी ने कहा कि वह चाहती हैं कि 'बिग बॉस' को बैन कर दिया जाए क्योंकि यह मानसिक रूप से थका देने वाला है।

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही ने इंटरनेशनल पंजाबी एंथम के बाद बांग्ला गाने की दी झलक



हाल ही में, ग्लोबल स्टार नोरा फतेही ने यो यो हनी सिंह के साथ अपने धमाकेदार इंटरनेशनल पंजाबी एंथम, आई एम सो रिच की घोषणा की। इस ट्रैक को पहले से ही अगला ग्लोबल पार्टी एंथम माना जा रहा है। लेकिन यह एंथम रिलीज होने से पहले ही, नोरा ने संगीतकार संजॉय के साथ अपनी हालिया बातचीत से एक नया उत्साह जगा दिया है - इस बार बांग्ला में! यह हल्की-फुल्की बातचीत जल्द ही एक मजेदार वादा बन गई, जब नोरा ने हंसते हुए कहा, दोस्तों, मुझे नहीं पता इस आदमी ने मुझसे क्या करवाने के लिए राजी कर लिया है... हम एक बांग्ला गाना कर रहे हैं। मेरे लिए दुआ करना! संजॉय ने तो एक संभावित हुक लाइन भी सुझा दी: की

माया, लगाइसो। अगर यह प्रयोग साकार होता है, तो बांग्ला दर्शकों को जल्द ही नोरा की आवाज़ में अपनी भाषा का कोरस सुनने को मिल सकता है - और यह उनकी बहुभाषी ग्लोबल आर्टिस्ट की पहचान को और मजबूत करेगा। नोरा ने कहा, सिर्फ ग्लोबल होना ही नहीं, बल्कि हर संस्कृति को सच्चे दिल से सेलिब्रेट करना ज़रूरी है। इस बीच, अपने संगीत प्रयोगों के अलावा, नोरा फतेही बड़े पर्दे पर भी अपने पंख फैला रही हैं - वह कंचना 4 में लीड रोल में नज़र आएंगी और कई नए प्रोजेक्ट्स की तैयारी में हैं। चाहे संगीत हो या सिनेमा, यह ग्लोबल स्टार फिलहाल रुकने के मूड में नहीं है।

करीना कपूर : कहो ना प्यार है ठुकराकर रिफ्यूजी फिल्म को चुना

बॉलीवुड में बेबो के नाम से मशहूर

भारतीय सिनेमा के इतिहास में कुछ ही नाम ऐसे हैं जो अपनी विरासत और पहचान को दृढ़ता से दर्शाते हैं। 21 सितंबर 1980 को जन्मी करीना कपूर ने न केवल अपने महान दादा राज कपूर की विरासत को आगे बढ़ाया, बल्कि अपनी खुद की एक अनूठी और प्रभावशाली पहचान भी गढ़ी। 'बेबो' के नाम से मशहूर, करीना का सिनेमा में प्रवेश महज एक स्टार किड के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे कलाकार के रूप में हुआ, जो अपनी शर्तों पर काम करने को तैयार थी। करीना कपूर के फिल्मी सफर की शुरुआत साल 2000 में जेपी दत्ता की युद्ध-आधारित नाटकीय फिल्म 'रिफ्यूजी' से हुई। इस फिल्म में उन्होंने अभिषेक बच्चन के साथ अभिनय की दुनिया में कदम रखा, जहां फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई। उनके पहले इंटरव्यू से ही यह स्पष्ट हो गया था कि वह अपने करियर के प्रति बेहद आश्वस्त थीं और उनकी मासूमियत दर्शकों को आज भी उनके 25 साल पुराने वीडियो में दिखाई देती है।

अपने सशक्त प्रदर्शन के लिए उन्हें 'सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री' का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला, जिसने यह साबित कर दिया कि उनका आगमन महज एक स्टार किड के रूप में नहीं, बल्कि एक प्रतिभाशाली कलाकार के रूप में हुआ था। उल्लेखनीय है कि 'रिफ्यूजी' को चुनने के लिए उन्होंने उस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर में से एक 'कहो ना प्यार है' को ठुकरा दिया था। केवल व्यावसायिक सफलता के पीछे भागने के बजाय, वह हमेशा एक ऐसी भूमिका की तलाश में रही हैं जो उनके अभिनय कौशल को परख सके।

उनके शुरुआती करियर में दो ऐसे किरदार थे जिन्होंने उनकी सार्वजनिक पहचान पर एक अमिट छाप छोड़ी, लेकिन उनके लिए एक विरोधाभास भी पैदा किया। पहला किरदार करण जौहर की फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' (2001) में 'पू' (पूजा शर्मा) का था। यह किरदार अपनी फैशन-फॉरवर्ड शैली और बेबाक संवादों के कारण एक सांस्कृतिक घटना बन गया। 'पू' का किरदार आज भी जेन-जी के बीच बेहद लोकप्रिय है और अक्सर मीम संस्कृति का हिस्सा बन जाता है। इस किरदार ने उन्हें एक फैशन आइकन के रूप में स्थापित किया, लेकिन इसका एक दूसरा पहलू भी था। स्वयं करीना ने स्वीकार किया है कि इस किरदार के कारण उन्हें एक खास छवि में बांध दिया गया। उन्हें इस स्टीरियोटाइप को तोड़ने और यह साबित करने में लगभग एक दशक का समय लगा कि वह केवल ग्लैमरस भूमिकाओं तक सीमित नहीं हैं। इसी स्टीरियोटाइप को तोड़ने के लिए, करीना ने अपने करियर के मध्य में कुछ बेहद साहसी और गैर-ग्लैमरस भूमिकाओं का चुनाव किया। साल 2004 में, उन्होंने फिल्म 'चमेली' में एक वेश्या का किरदार निभाया। यह उनकी स्थापित 'ग्लैमरस' छवि के बिल्कुल विपरीत था। इस फिल्म ने उन्हें समीक्षकों से शानदार प्रतिक्रिया दिलाई और उन्हें एक 'गंभीर अदाकारा' की श्रेणी में ला खड़ा किया।

यह फिल्म पहले किसी और अभिनेत्री को ऑफर की गई थी, लेकिन करीना ने यह मौका लपक लिया, जो उनकी रचनात्मक महत्वाकांक्षा का प्रमाण है। इसके बाद, विशाल भारद्वाज की क्राइम ड्रामा 'ऑंकारा' (2006) में 'डॉली मिश्रा' के रूप में उनका प्रदर्शन एक और मील का पत्थर साबित हुआ। इस भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवार्ड मिला। उनकी इस यात्रा का शिखर 'जब वी मेट' (2007) में 'गीत दिल्ली' के किरदार के साथ आया। यह फिल्म एक बड़ी व्यावसायिक सफलता थी और 'गीत' का किरदार उनके ग्लैमर और अभिनय क्षमता का सही मिश्रण था।

यह एक चुलबुला, स्वतंत्र और आत्मविश्वासी किरदार था, जिसे दर्शकों और आलोचकों दोनों ने खूब सराहा। मैं अपनी फेवरिट हूं जैसे संवाद आज भी दर्शकों की जुबान पर हैं और इंटरनेट संस्कृति का हिस्सा बन चुके हैं। इस भूमिका के लिए उन्हें 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला, जिसने उनकी प्रतिभा को एक बार फिर से स्थापित किया।

समीक्षकों द्वारा प्रशंसित कलाकार होने के साथ-साथ, करीना कपूर ने एक बॉक्स ऑफिस कीन के रूप में भी अपनी पहचान

बनाई है। उन्होंने कई ऐसी फिल्मों में काम किया है जिन्होंने टिकट खिड़की पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है। उनकी सबसे सफल फिल्मों में कबीर खान द्वारा निर्देशित 'बजरंगी भाईजान' (2015) सबसे ऊपर है, जिसने दुनिया भर में 922.17 करोड़ रुपए का कारोबार किया। इसके बाद राजकुमार हिरानी की '3 इडियट्स' (2009) का नाम आता है, जिसने दुनियाभर में 460 करोड़ रुपए और भारत में 202.47 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की। अक्षय कुमार के साथ उनकी फिल्म 'गुड न्यूज' (2019) भी एक बड़ी हिट थी, जिसने दुनिया भर में 316 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। उनकी अन्य सफल फिल्मों में 'बांडीगाड' (2011) और 'गोलमाल 3' (2010) शामिल हैं।

उन्होंने 'गोलमाल 3' में एक टॉमबॉय 'डब्बू' की भूमिका निभाई, जबकि 'उड़ता पंजाब' (2016) में एक डॉक्टर के रूप में उनकी गंभीर भूमिका को भी सराहा गया।

अभिनय की दुनिया से परे, करीना कपूर खान ने खुद को एक शक्तिशाली ब्रांड के रूप में स्थापित किया है। उनकी लोकप्रियता केवल सिनेमा तक सीमित नहीं है, बल्कि ब्रांड एंडोर्समेंट, लेखन और एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के रूप में भी फैली हुई है। पिछले कुछ सालों में, करीना कई बड़े ब्रांड्स का चेहरा रही हैं, जिनमें लैक्मे, प्यूमा, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स और सफोला शामिल हैं। उनकी 'बेबाक शैली', आत्मविश्वास और 'रियल' व्यक्तित्व ने उन्हें ब्रांड्स के लिए एक आदर्श चेहरा बना दिया है, खासकर उन ब्रांड्स के लिए जो आधुनिकता और परंपरा का मिश्रण दर्शाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, करीना अन्य कई सारे प्रोडक्ट्स और सर्विसेज की ब्रांड फेस रह चुकी हैं, जिनमें ब्लिंकित जैसे शॉर्ट डिलीवरी प्लेटफॉर्म भी शामिल हैं। अभिनय और ब्रांडिंग के अलावा, करीना ने अपनी रचनात्मक यात्रा में एक नया अध्याय भी जोड़ा है। उन्होंने अपनी गर्भावस्था पर एक किताब लिखी है, जिसका शीर्षक है करीना कपूर खान्स प्रेग्नंसी बाइबल: द अल्टीमेट मैनुअल फॉर मॉम्स-टू-बी। हाल ही में, उन्होंने थ्रिलर शैली में कदम रखा है, जिसमें 'जाने जाँ' और 'द बकिंगम मर्डर्स' जैसी फिल्मों शामिल हैं। 'द बकिंगम मर्डर्स' में एक पुलिस अधिकारी के रूप में उनका नया अवतार समीक्षकों द्वारा सराहा गया है।

सना सईद : एक मशहूर किरदार की वजह से नई पहचान बनाने के लिए करनी पड़ी मशक्कत

1998 में, जब करण जौहर की फिल्म 'कुछ कुछ होता है' सिनेमाघरों में आई, तो इसने न सिर्फ शाहरुख खान और काजोल की जोड़ी को नई बुलंदिया दी, बल्कि एक नई सी बच्ची को भी घर-घर में मशहूर कर दिया। यह बच्ची थी सना सईद, जिसने 'छोटी अंजलि' का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों में अपनी मासूम मुस्कान और प्यारे डायलॉग के साथ जगह बना ली।

सना सईद ने महज 8 साल की उम्र में 'कुछ कुछ होता है' में अंजलि का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनकी मासूमियत ने दर्शकों को दीवाना बना दिया। कहानी में अंजलि अपनी मां की डायरी के जरिए अपने पिता (शाहरुख खान) को उनकी खोई हुई दोस्त से मिलाने की कोशिश करती है। सना का यह किरदार कहानी का एक अहम हिस्सा था, जिसने न सिर्फ फिल्म को भावनात्मक गहराई दी, बल्कि सना को लाखों दिलों में बसने का मौका भी दिया।

बचपन में मिली इस कामयाबी ने सना को रातों रात स्टार बना दिया, लेकिन यह स्टारडम एक 'दोधारी तलवार' साबित हुआ। सना की मासूम छवि इतनी गहरी थी कि लोग उन्हें उसी रूप में देखना चाहते थे। जैसे-जैसे वह बड़ी हुई, यह छवि उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई।

सना ने बतौर बाल कलाकार 'हर दिल जो प्यार करेगा' और 'बादल' जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन उनकी असली वापसी हुई 2012 में, जब करण जौहर की ही फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में उन्होंने एक ग्लैमरस और बोल्ट किरदार निभाया। इस फिल्म में सना ने अपनी नई छवि के साथ दर्शकों को चौंकाया। उनकी स्टाइल, आत्मविश्वास और स्क्रीन प्रेजेंस ने सबका ध्यान खींचा। लेकिन इसके बावजूद, दर्शकों के दिमाग में 'छोटी अंजलि' की छवि अभी भी जस की तस थी।

सना ने कई इंटरव्यूज में खुलकर बताया कि 'अंजलि' की पहचान उनके लिए शुरुआत में बोझ बन गई थी। लोग उन्हें सेट्स पर, सड़कों पर, हर जगह 'अंजलि' कहकर बुलाते थे। वह कहती हैं, एक समय था जब मुझे यह सुनकर शर्मिंदगी महसूस होती थी। मुझे लगता था कि लोग मेरे नए काम को देख ही नहीं रहे। यह एक ऐसा दौर था जब सना को अपनी पुरानी छवि से बाहर निकलने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा।

22 सितंबर 1988 को जन्मी सना सईद ने सिर्फ फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने टेलीविजन की दुनिया में भी कदम रखा और 'बाबुल का आंगन छूटे ना' और 'लो हो गई पूजा इस घर की' जैसे धारावाहिकों में काम किया। इसके अलावा, रियलिटी शोज ने उन्हें अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया। 'झलक दिखला जा', 'नच बलिए 7' और 'खतरों के खिलाड़ी 7' में सना ने न सिर्फ अपनी डांसिंग और स्टंट स्किल्स दिखाई, बल्कि अपनी मजबूत और बिंदास पर्सनैलिटी से दर्शकों को प्रभावित किया। इन शो ने सना को मासूम बच्ची की छवि से बाहर निकालने में मदद की और उन्हें एक आत्मविश्वास से भरी कलाकार के रूप में पेश किया।



नवरात्र में मां दुर्गा को अर्पित करें ये फूल माता रानी प्रसन्न होकर पूरी करेंगी सारी इच्छा



नवरात्रि के 9 दिनों में मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा अर्चना की जाती है। इस बार नवरात्रि के महापर्व की शुरुआत 22 नवंबर से हो चुकी है और 2 अक्टूबर विजयदशमी तक रह पर्व चलेगा। इस बार नवरात्रि का पर्व बेहद खास है दरअसल, इस बार नवरात्रि पूरे 10 दिन के हो रहे हैं। मान्यता है कि नवरात्र में मां दुर्गा के प्रिय फूल अर्पित करने से देवी जल्दी प्रसन्न होती। नवरात्र के दिनों में मां दुर्गा को फूल अर्पित करते हुए अपनी मनोकामना कहें। मान्यता है कि ऐसा करने से मां दुर्गा व्यक्ति की सारी मनोकामना जल्दी पूरी करती हैं। आइए जानते हैं नवरात्र के दिन कौन से फूल अर्पित करने चाहिए।

नवरात्र में मां दुर्गा को अर्पित करें ये 5 फूल

नवरात्र के दिन मां दुर्गा को रोजाना एक लाल गुड़हल का फूल अर्पित करें। क्योंकि, मां दुर्गा को लाल रंग अधिक प्रिय है। ऐसी मान्यता है कि लाल गुड़हल का फूल अर्पित करने से घर परिवार में सु समृद्धि बनी रहती है। साथ ही व्यक्ति को किसी भी तरह की धन धान्य की कोई कमी नहीं होती है।

इसके अलावा नवरात्र में मां दुर्गा को कमल का फूल अर्पित करना चाहिए। कमल का फूल अर्पित करने से ज्ञान की प्राप्ति होती है। इसी के साथ बेला और चमेली का फूल भी आप अर्पित कर सकते हैं। ऐसा करने से साहस, पराक्रम अर्पित करने चाहिए।

नवरात्रि में भक्त मां भगवती की प्रतिमा के समक्ष

की प्राप्ति होती है।

अगर किसी व्यक्ति को रोग या शोक आदि है तो मां दुर्गा को पीले केनेर के फूल अर्पित करने चाहिए। इस फूल को अर्पित करने से आरोग्य की प्राप्ति होती है।

अगर किसी व्यक्ति के विवाह में बाधा आ रही हैं तो मां दुर्गा को गेंदे के फूल अर्पित करें। ऐसा करने से मनचाहा जीवनसाथी प्राप्त होता है साथ ही विवाद में आ रही बाधाएं दूर होंगी।

वहीं, मां दुर्गा को रातरानी का फूल चढ़ाने से व्यक्ति भय मुक्ति, दुख और नकारात्मक शक्तियों से छुटकारा मिलता है। साथ ही मां को सफेद मोगरा का फूल भी अधिक प्रिय है। इन फूल को चढ़ाने से पापों से मुक्ति मिलती है।

व्यों देवी देवताओं को फूल अर्पित किए जातें हैं ?

मान्यताओं के अनुसार, देवी देवताओं को फूल अर्पित करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही यह पवित्रता और सुद्धता का प्रतीक भी है। वहीं, व्यक्ति को पुण्य और सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। साथ ही फूल अर्पित करने से सारी मनोकामाएं भी पूरी होती हैं।

जब श्रद्धा मिले सही विधि से, तब मां की पूजा लाती है जीवन में चमत्कार

भगवती दुर्गा समस्त देवों के तेज से निकली हैं, इसलिए अपने भक्तों को शुभ फल देने में देर नहीं करतीं, अतः इन बातों को ध्यान में रखकर आप मां भगवती का पूजन करेंगे तो निश्चित ही भगवती कृपा से सभी मार्ग प्रशस्त होंगें।

भगवती दुर्गा की पूजा-उपासना करते समय भक्त को अपना मुख हमेशा पूर्व अथवा उत्तर दिशा की ओर रखना चाहिए।

नवरात्रि में भक्त मां भगवती की प्रतिमा के समक्ष

अखण्ड ज्योति जलाते है, अखण्ड ज्योति के दीपक को वास्तुशास्त्र के अनुसार दक्षिण-पूर्व, अग्रिकोण में स्थापित करना चाहिए।

घर में यदि श्रीयन्त्र स्थापित हो तो उसकी नवरात्र में पूजा अवश्य करनी चाहिए और यदि न हो ता श्रीयन्त्र स्थापित करने का यह सबसे अच्छा मुहूर्त है।

मां दुर्गा की मूर्ति अथवा तस्वीर को साफ-सुथरा, स्वच्छ रखना चाहिए।

नवरात्रि के समय रोज़ ग्गुल की धूप और लाल

गुड़हल के फूलों की माला मां को अर्पण करने से मनोवांछित फल प्राप्त होते हैं।

मां को चढ़ाने वाले फूल ताजे और सुगंधित होने चाहिए, कटे-फटे या किसी भी प्रकार से दूषित फूल देवी को नहीं चढ़ाने चाहिए।

मां दुर्गा की पूजा गीले अथवा फटे-पुराने वस्त्र पहनकर नहीं करनी चाहिए, सूखे, साफ-सुथरे वस्त्र पहनकर ही देवी आराधना करें।

नवरात्र में दुर्गा सप्तशती का पाठ अथवा अनुष्ठान के

बीच में परिवार में किसी को भी बाल तथा नाखून काटना एवं पुरुषों को दाढ़ी बनवाने से परहेज करना चाहिए।

मां की पूजा के स्थल पर ज्यादा वजनदार वस्तुओं को रखना अनुचित माना गया है, पूजाघर को स्टोररूम नहीं बनाना चाहिए न ही स्टोररूम में मूर्तियां रखकर पूजा करनी चाहिए।

देवी के जिस स्वरूप की आराधना आप कर रहे हैं, उसका ध्यान मन ही मन अवश्य करते रहना चाहिए।

घर में अगर मां दुर्गा की दो तस्वीर या मूर्तियां हैं, तो उन्हें हमेशा साफ-सुथरा रखें और बराबर नमन करते रहें।

धन प्राप्ति के लिए अगर नवरात्र में आप माता महालक्ष्मी की आरधना करते हैं, तो विशेष लाभ के लिए माता की मूर्ति स्फटिक की होनी चाहिए।

घर में देवी दुर्गा जी की तीन मूर्तियां वर्जित हैं, अर्थात् घर या पूजा घर में देवी की तीन मूर्तियाँ एक साथ नहीं होनी चाहिए।

नवरात्रि मे शिमटा है जीवन का हर पहलू

भारत में नवरात्रि को पर्व के रूप में मनाया जाता है। सबसे ज्यादा लोकप्रिय शारदीय नवरात्रि है, जोकि वर्तमान समय में पूरे देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। शायद ही किसी को पता हो कि एक वर्ष में 4 नवरात्रि होते हैं। प्रत्येक नवरात्रि के अलग-अलग महत्व होते हैं। देवी पुराण में ऐसा कहा गया है कि साल भर में मुख्य रूप से नवरात्र का त्योहार 2 बार आता है।

नवरात्र शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है- नव और रात्र। नव का अर्थ है नौ और रात्र शब्द में पुनः दो शब्द निहित हैं: रा+त्रि। रा का अर्थ है रात और त्रि का अर्थ है जीवन के तीन पहलू- शरीर, मन और आत्मा।

इंसान को तीन तरह की समस्याएं घेर सकती हैं- भौतिक, मानसिक और आध्यात्मिक। इन समस्याओं से जो छुटकारा दिलाती है वह रात्रि है। रात्रि या रात आपको दुख से मुक्ति दिलाकर आपके जीवन में सुख लाती है। इंसान कैसी भी परिस्थिति में हो, रात में सबको आराम मिलता है। रात की गोद में सब अपने सुख-दुख किनारे रखकर सो जाते हैं।

साल में दो बार नवरात्र रखने का विधान है। चैत्र मास में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नौ दिन अर्थात नवमी तक, ओर इसी प्रकार ठीक छह महीने बाद आश्विन मास, शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक माता की साधना और सिद्धि प्रारम्भ होती है। दोनों नवरात्रों में शारदीय नवरात्रों को ज्यादा महत्व दिया जाता है। नवरात्र के नौ दिनों में यज्ञ और हवन का सिलसिला चलता रहता है। ये यज्ञ संसार में दुख और दर्द के हर तरह के प्रभाव को दूर कर देते हैं। नवरात्रि के हर दिन का अपना महत्व और प्रभाव है और उस दिन के अनुरूप ही यज्ञ और हवन किए जाते हैं। जीवन में हमें बुरे और अच्छे दोनों तरह के गुण प्रभावित करते हैं।

नवरात्र हमें यह सिखाते हैं कि किस तरह इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्त कर सकता है और स्वयम् के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कर सकता है। जिस तरह मां के गर्भ में नौ महीने पलने के बाद ही एक जीव का निर्माण होता है ठीक वैसे ही ये नौ दिन हमें अपने मूल रूप, अपनी जड़ों तक वापस ले जाने में अहम भूमिका अदा करते हैं। इन नौ दिनों का ध्यान, सत्संग, शांति और ज्ञान प्राप्ति के लिए उपयोग करना चाहिए।

हिन्दू पंचांग के अनुसार चैत्र यानि मार्च-अप्रैल में मां दुर्गा के पहले नवरात्र पर 9 दिन आराधना जाती है, जिन्हें वासंतीय नवरात्र कहा जाता है। अश्विन मास यानि सितम्बर-अक्टूबर में आने वाले नवरात्र को मुख्य नवरात्र कहा जाता है, जिसे जनमानस शारदीय नवरात्र के नाम से जानता है। शारदीय नवरात्र के बाद से ही देश भर में त्योहारों की धूम मच जाती है। शारदीय नवरात्र के समापन पर ही दशहरे का त्योहार मनाया जाता है जो कि अर्धर्ष पर धर्म की विजय का प्रतीक है। इसके अलावा एक वर्ष के भीतर 2 गुप्त नवरात्रि भी मनाई जाती है जो गृहस्थों के लिए नहीं होती है। यह दोनों नवरात्रि अषाढ यानि जून-जुलाई और दूसरा माघ यानि जनवरी-फरवरी में आते हैं।

इस प्रकार से साल में चार नवरात्रि आती हैं। जिसमें जनसामान्य के लिए बासंतिक और शारदीय नवरात्रि ही प्रमुख है। दो गुप्त नवरात्रों में ऋषि मनीषि साधना और आराधना करते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि शारदीय नवरात्रि पर्व अश्विनी शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। इस बार तृतीया तिथि 24 और 25 सितंबर दो दिन होने के कारण नवरात्रि पर्व 10 दिनों तक मनाया जाएगा। नवरात्रि पर्व की तिथि बढ़ना शुभ माना जाता है। आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 21 सितंबर की अर्ध रात्रि 1.24 बजे से लगेगी, जो कि दूसरे दिन 22 सितंबर की ब्रह्मवेला में प्रतिपदा तिथि तक रहेगी। अतः इस दिन ही शारदीय नवरात्रि पर्व की शुरूआत होगी। शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की आराधना के लिए नवरात्रा सर्वोत्तम समय माना जाता है। भगवान राम ने नवरात्र में मां भगवती की आराधना से देवी को प्रसन्न कर विजयादशमी के दिन रावण का संहार किया था।

नौ दिन तक चलने वाले पर्व नवरात्रि के तीन-तीन दिन तीन देवियों को समर्पित होते हैं। ये तीन देविया हैं- मां दुर्गा (शौर्य की देवी), मां लक्ष्मी (धन की देवी) और मां सरस्वती (ज्ञान की देवी)। इन नौ दिनों में बाकी सारे क्रियाकलापों से ऊपर समारोह और व्रत को प्रार्थमिकता दी जाती है। हर शाम को डांडिया और गरबा जैसे धार्मिक नृत्य के जरिए मां दुर्गा की पूजा की जाती है।

नौ रातों का यह उत्सव आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रथमा तिथि को आरंभ होता है। इस दौरान नौ ग्रहों की प्रतिष्ठा की जाती है। 8वें और 9वें दिन मां दुर्गा की पूजा के साथ विजयाष्टमी और महानवमी मनाई जाती है। इस दौरान 700 श्लोकों वाली दुर्गा शप्तशती जिसे देवी महात्म्य के नाम से भी जाना जाता है, का पाठ किया जाता है साथ ही दुर्गा चालीसा और देवी को समर्पित विभिन्न मंत्रों एवं श्लोकों के जरिए उन देवियों की आराधना की जाती है जिन्होंने दुष्टों का संहार किया।

पहले तीन दिन: इस दौरान नवरात्रि के पहले दिन पूजाघर में मिट्टी का एक तख्त बनाया जाता है जिसमें जौं बोए जाते हैं। ये तीन दिन शक्ति और ऊर्जा की देवी मां दुर्गा को समर्पित होते हैं।

दूसरे तीन दिन: इन तीन दिनों में शांति और धन-सौभाग्य की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है।

तीसरे दो दिन: नवरात्र के 7वें और 8वें दिनों में मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है जो ज्ञान और आध्यात्म की पूजा-अर्चना हैं। ज्ञान एवम् आध्यात्म सांसारिक मोह-माया से हमारी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। आठवें दिन यज्ञ किया जाता है।

महानवमी: इस रंगबिरंगे, ऊर्जा से भरपूर पर्व का समापन महानवमी को होता है। इस दिन कन्या पूजा की जाती है। नौ कुंवारी कन्याओं को भोजन कराया जाता है। इन नौ कन्याओं की पूजा मां के नौ रूप मानकर की जाती है।

आश्विन मास में शुक्लपक्ष कि प्रतिपदा से प्रारम्भ होकर नौ दिन तक चलने वाले नवरात्र शारदीय नवरात्र कहलाते हैं। नव का शाब्दिक अर्थ नौ है और इसे



नव अर्थात नया भी कहा जाता है। शारदीय नवरात्रों में दिन छोटे होने लगते है। मौसम में परिवर्तन शुरू हो जाता है। प्रकृति सर्दी की चादर में लिपटने लगती है। ऋतु के परिवर्तन का प्रभाव लोगों को प्रभावित न करे, इसलिए प्राचीन काल से ही इन दिनों में नौ दिनों के उपवास का विधान है।

दरअसल, इस दौरान उपवासक संतुलित और सात्विक भोजन कर अपना ध्यान चिंतन और मनन में लगकर स्वयं को भीतर से शक्तिशाली बनाता है। इससे न वह उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त करता है बल्कि वह मौसम के बदलाव को सहने के लिए आंतरिक रूप से खुद को मजबूत भी करता है।नवरात्रों में माता के नौ रूपों की आराधना की जाती है। माता के इन नौ रूपों को हम देवी के विभिन्न रूपों की उपासना, उनके तीर्थों के माध्यम से समझ सकते है।

नवरात्र का वैज्ञानिक आधार

नवरात्रि हिंदुओं के पवित्र त्योहारों में से एक है। इन 9 दिनों में नौ-दुर्गा की पूजा-अर्चना की जाती है। साल में दो बार चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि के रूप में मां दुर्गा के नौ रूपों की आराधना की जाती है। इस दौरान घर-घर में भजन-कीर्तन आदि का आयोजन होता है। शारदीय नवरात्रि को पूर्वी भारत में दुर्गापूजा और पश्चिमी भारत में डांडिया के रूप में मनाया जाता है।

नवरात्र शब्द से 'नव अहोरात्रों (विशेष रात्रियां) का बोध' होता है। इस समय शक्ति के नव रूपों की उपासना की जाती है क्योंकि 'रात्रि' शब्द सिद्धि का प्रतीक माना जाता है। भारत के प्राचीन ऋषि-मुनियों ने रात्रि को दिन की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है। यही कारण है कि दीपावली, होलिका, शिवरात्रि और नवरात्र आदि उत्सवों को रात में ही मनाने की परंपरा है। यदि, रात्रि का कोई विशेष रहस्य न होता तो ऐसे उत्सवों को रात्रि न कह कर दिन ही कहा जाता। जैसे- नवदिन या शिवदिन। लेकिन हम ऐसा नहीं कहते।

नवरात्र के वैज्ञानिक महत्व को समझने से पहले हम नवरात्र को समझ लेते हैं। मनीषियों ने वर्ष में दो बार नवरात्रों का विधान बनाया है- विक्रम संवत के पहले दिन अर्थात चैत्र मास शुक्ल पक्ष की



डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवाक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

आवाज की तरंगों और रेडियो तरंगों को आगे बढ़ने से रोक देती है।

रेडियो इस बात का जीता-जागता उदाहरण है। आपने खुद भी महसूस किया होगा कि कम शक्ति के रेडियो स्टेशनों को दिन में पकड़ना अर्थात सुनना मुश्किल होता है जबकि सूर्यास्त के बाद छोटे से छोटा रेडियो स्टेशन भी आसानी से सुना जा सकता है। इसका वैज्ञानिक सिद्धांत यह है कि सूर्य की किरणें दिन के समय रेडियो तरंगों को जिस प्रकार रोकती हैं ठीक उसी प्रकार मंत्र जाप की विचार तरंगों में भी दिन के समय रुकावट पड़ती है। इसीलिए ऋषि-मुनियों ने रात्रि का महत्व दिन की अपेक्षा बहुत अधिक बताया है। मंदिरों में घंटे और शंख की आवाज के कंपन से दूर-दूर तक वातावरण कीटाणुओं से रहित हो जाता है।

यही रात्रि का तर्कसंगत रहस्य है। जो इस वैज्ञानिक तथ्य को ध्यान में रखते हुए रात्रियों में संकल्प और उच्च अवधारणा के साथ अपनी शक्तिशाली विचार तरंगों को वायुमंडल में भेजते हैं, उनकी कार्यसिद्धि अर्थात मनोकामना सिद्धि, उनके शुभ संकल्प के अनुसार उचित समय और ठीक विधि के अनुसार करने पर अवश्य होती है।

नवरात्र के पीछे का वैज्ञानिक आधार यह है कि पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा काल में एक साल की चार संधियां हैं जिनमें से मार्च व सितंबर माह में पड़ने वाली गोल संधियों में साल के दो मुख्य नवरात्र पड़ते हैं। इस समय रोगाणु आक्रमण की सर्वाधिक संभावना होती है। ऋतु संधियों में अक्सर शारीरिक बीमारियां बढ़ती हैं। अतः उस समय स्वस्थ रहने के लिए तथा शरीर को शुद्ध रखने के लिए और तन-मन को निर्मल और पूर्णतः स्वस्थ रखने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया का नाम 'नवरात्र' है।

नवरात्र में नौ दिन या नौ रात को गिना जाना चाहिए?

अमावस्या की रात से अष्टमी तक या पड़वा से नवमी की दोपहर तक व्रत नियम चलने से नौ रात यानी 'नवरात्र' नाम सार्थक है। चूंकि यहां रात गिनते हैं इसलिए इसे नवरात्र यानि नौ रातों का समूह कहा जाता है। रूपक के द्वारा हमारे शरीर को नौ मुख्य द्वारों वाला कहा गया है और, इसके भीतर निवास करने वाली जीवनी शक्ति का नाम ही दुर्गा देवी है।

इन मुख्य इन्द्रियों में अनुशासन, स्वच्छता, तारतम्य स्थापित करने के प्रतीक रूप में, शरीर तंत्र को पूरे साल के लिए सुचारू रूप से क्रियाशील रखने के लिए नौ द्वारों की शुद्धि का पर्व नौ दिन मनाया जाता है। इनको व्यक्तिगत रूप से महत्व देने के लिए नौ दिन, नौ दुर्गाओं के लिए कहे जाते हैं।

हालांकि शरीर को सुचारू रखने के लिए विरेचन, सफाई या शुद्धि प्रतिदिन तो हम करते ही हैं किन्तु अंग-प्रत्यंगों की पूरी तरह से भीतरी सफाई करने के लिए हर 6 माह के अंतर से सफाई अभियान चलाया जाता है जिसमें सात्विक आहार के व्रत का पालन करने से शरीर की शुद्धि, साफ-सुथरे शरीर में शुद्ध बुद्धि, उत्तम विचारों से ही उत्तम कर्म, कर्मों से सच्चीव्रता और क्रमशः मन शुद्ध होता है, क्योंकि स्वच्छ मन मंदिर में ही तो ईश्वर की शक्ति का स्थायी निवास होता है।



इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैराग, नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दत्त, सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक लालू लाल पतिलिया, सुरेश धाकड़, आशोक कुमार कोठारी, गोपाल लाल, उदयलाल भड्गणा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण, आमजन एवं ड्यूटी एविएशन एकेडमी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गलत तरीके से अनुकंपा पर नौकरी पाने वाले शिक्षकों-कर्मचारियों पर

एक्शन की तैयारी में योगी सरकार

बदायूँ, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

जिन कर्मचारियों या शिक्षकों ने तथ्यों को छिपाकर मृतक आश्रित के रूप में नौकरी हासिल की है, तो ऐसे कर्मचारियों की दिक्रतें बढ़ सकती हैं। सभी विभाग ऐसे कर्मचारियों का पता लगाने में जुट गए हैं। इसकी जानकारी होने के बाद से ऐसे कर्मचारियों में खलबली मच गई है।

किसी भी कर्मचारी की सेवा के दौरान मृत्यु हो जाने पर उसके आश्रित को अनुकंपा नौकरी दी जाती है। यदि पति-पत्नी दोनों ही राजकीय सेवा में हैं और किसी एक की मृत्यु सेवा के दौरान होती है, तब आश्रित बच्चों को अनुकंपा नौकरी नहीं दी जा सकती। इसके सभी विभागों के उच्चाधिकारियों को निर्देश भी रहते हैं।

इसके बावजूद बहुत से अधिकारी तथ्यों की जांच किए बिना ही ऐसे कर्मचारियों या शिक्षकों को अनुकंपा नौकरी प्रदान कर देते हैं, जो पात्र की



श्रेणी में नहीं आते हैं। जो कर्मचारी या शिक्षक तथ्यों को छिपाकर अनुकंपा नौकरी हासिल करते हैं, उसके पीछे उनके विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों से मिलीभगत रहती है। गलत तरीके से अनुकंपा नौकरी हासिल करने वाले कर्मचारियों और शिक्षकों की उनके विरोधियों द्वारा शासन स्तर पर शिकायतें की गईं। तब मामले खुलकर सामने

आए। हालांकि, विभागीय अधिकारियों ने शिकायतों के बाद ऐसे कर्मचारी शिक्षकों की फाइल तलब कर कर उनसे सारे तथ्य भी मांगे लेकिन कार्रवाई नहीं की गई।

अनुकंपा नौकरी गलत तरीके से लेने की शिकायत शासन स्तर पर होने के बाद से फिर से विभाग ऐसे कर्मचारियों की कुंडली खंगालने में जुट गए हैं। सूत्रों

के अनुसार, तथ्यों को छिपाकर नौकरी हासिल करने वाले कर्मचारियों में खलबली मची हुई है और वह अपने बचाव में हर स्तर पर जुटे हुए हैं। सभी विभाग अपनी रिपोर्ट शासन को भेजेंगे। इस बात का तभी राजफाश हो पाएगा कि कितने कर्मचारियों या शिक्षकों ने अनुकंपा नौकरी गलत तरह से प्राप्त की है।

नियम अनुसार वही व्यक्ति अनुकंपा नौकरी हासिल कर सकता है, जिसके माता या पिता में से एक व्यक्ति राजकीय सेवा में है और सेवा के दौरान ही उसकी मृत्यु हो गई हो। ऐसे में उसके पति, पत्नी या बेटा बेटा को ही अनुकंपा नौकरी मिल सकती है। बाकी मृतक के भाई या अन्य को नहीं लेकिन बताते हैं कि निकायों में ऐसे लोगों को भी अनुकंपा के रूप में नौकरी दे दी गई है, जो उसके पात्र ही नहीं हैं। यदि निकायों में भी अनुकंपा के रूप में नौकरी लेने वाले सभी कर्मचारियों की जांच की जाए तो

बहुत से कर्मचारी लपेटे में आ सकते हैं।

जब भी किसी व्यक्ति को अनुकंपा के रूप में नौकरी दी जाती है, तब संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा उसके सारे तथ्यों की जांच की जाती है। उसके बाद ही संबंधित व्यक्ति को अनुकंपा नौकरी दी जाती है। ऐसे में स्पष्ट है कि किसी भी अधिकारी ने गलत तरीके से किसी कर्मचारी या शिक्षक को अनुकंपा नौकरी दी है तो उस अधिकारी के खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है।

हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ऐसे ही एक मामले में अपना आदेश सुनाया है जिसमें एक व्यक्ति ने तथ्यों को छिपाकर अनुकंपा नौकरी हासिल की है। इस व्यक्ति के माता-पिता दोनों ही राजकीय सेवा में थे लेकिन अनुकंपा नौकरी लेते समय इस व्यक्ति ने अपनी मां के शिक्षिका होने की बात छिपाई थी। यह मामला सामने आने के बाद अधिकारियों ने खोजबीन शुरू कर दी है।

मॉल के बाहर फायरिंग मामले में छह सुरक्षाकर्मी गिरफ्तार



लखनऊ, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

सुशांत गोल्फ सिटी में 19 सितंबर को प्लासियों मॉल के बाहर में हुए हंगामे और फायरिंग के मामले में पुलिस ने सोमवार को छह सुरक्षाकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि पुलिस ने आरोपियों के नाम नहीं बताए।

इसी मामले में पुलिस महिला डॉक्टर व तीन अन्य को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। 19 सितंबर को सुशांत गोल्फ सिटी के अंसल स्थित रिशिता मैनहट्टन अपार्टमेंट निवासी महिला चिकित्सक स्वाति मंगेतर प्रिंस वर्मा के साथ पलासियों मॉल घूमने गई थीं। प्रिंस के साथ

उनके दोस्त संतकबीरनगर निवासी रोहित पटेल व बी-फार्मा छात्र गोमतीनगर निवासी हर्ष मिश्रा भी थे। बार में पार्टी के दौरान बाहर जाने की बात पर सुरक्षाकर्मियों की उनसे कहासुनी हो गई थी। हर्ष ने रोहित की पिस्टल से फायर कर दिया था। पुलिस ने केस दर्ज कर स्वाति उनके मंगेतर प्रिंस, रोहित व हर्ष को गिरफ्तार कर लिया था। अहिमामऊ पुलिस चौकी प्रभारी महेश कुमार सिंह ने 20 सुरक्षाकर्मियों पर भी केस दर्ज कराया था। डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल ने बताया कि डॉक्टर पर हमला करने वाले सुरक्षाकर्मियों की शिनाख्त की जा रही है।

लड़की के भाई ने युवक को ईंट-पत्थरों से पीटकर मार डाला

लखनऊ, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

शहर के सआदतगंज के लकड़मंडी हाता नूर बेग निवासी अली अब्बास (27) की सोमवार रात करीब एक बजे दूसरे समुदाय की युवती से प्रेम प्रसंग के आरोप में लाठी-डंडे से पिटाई कर दी गई। गंभीर हालत में पुलिस ने घायल को ट्रामा सेंटर पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता आरिफ जमीर ने युवती के भाई हिमालय प्रजापति, उसके साथी स्थानीय निवासी सौरभ प्रजापति और सोनू कोरी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि युवती के भाई ने देर रात अली अब्बास को बहन से शादी कराने का झांसा दे कर घर बुलाया और उस पर हमला कर हत्या कर दी। इस्पेक्टर संतोष आर्य ने बताया कि अली अब्बास का मोहल्ले की रहने वाली युवती से पिछले काफी दिनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। मामला परिजनों की जानकारी में



आया तो आरोपियों ने अली अब्बास की लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। इस्पेक्टर ने बताया कि मृतक अली अब्बास पर सआदतगंज थाने में मारपीट के दो केस दर्ज हैं। वहीं, उसका भाई अस्तर अब्बास सआदतगंज थाने का हिस्ट्रीशीटर है और जेल में बंद है। उस पर कई थानों में मारपीट व लूट आदि के करीब एक दर्जन मुकदमों दर्ज हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक अली अब्बास पिछले चार-पांच साल से युवती के पीछे पड़ा था। इस मामले में अली अब्बास और

युवती के परिजनों में कई बार झगड़ा हुआ था। सोमवार रात करीब 11 बजे अली अब्बास युवती के घर के बाहर खड़ा था। परिजनों के एतराज करने पर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई और अली अब्बास वहां से चला गया। उसके बाद एक बजे वो युवती के घर के पास दोबारा दिखाई पड़ा। गली में अंधेरा था। इसलिए स्थानीय लोग उसे चोर समझ कर पीटने लगे। इसी दौरान युवती का भाई हिमालय, सौरभ और सोनू भी घर से बाहर आ गए और ईंट गुमों से उस हमला कर दिया। आरोपी हिमालय व साथी सौरभ पेशे से मूर्तिकार हैं।

पूर्वांचल को मिलेगी बड़ी राहत, मंडलीय चिकित्सालय में स्थापित होगी एमआरआई यूनिट

वाराणसी, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

पूर्वांचल में सबसे पहले 20 करोड़ रुपये की लागत से मंडलीय चिकित्सालय में एमआरआई यूनिट स्थापित होने जा रहा है। इससे निश्चित ही एक बड़े वर्ग को एक रुपये के पर्चे पर फायदा होने जा रहा है। अभी तक एमआरआई मशीन न होने से मरीजों को मजबूरी में रेफर कर दिया जाता था, लेकिन अब सहूलियत मिलने जा रहा है।

पूर्वांचल की जनता पं. दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में छह साल से एमआरआई के इंतजार में है। सरकारी अस्पताल में एक रुपये के पर्चे पर गरीब जनता को लाभ मिल सके। इसके लिए आजमगढ़ और वाराणसी मंडल में उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लिमिटेड लखनऊ के द्वारा भवन निर्माण कराया गया। वाराणसी में 12 मार्च 2019 को ही हैंडओवर भी कर दिया गया, लेकिन आजतक सुविधा का संचालन नहीं हो सका, लेकिन अब मरीजों का इंतजार खत्म होने जा रहा है।



काशी हिंदू विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संस्थान को छोड़ दें तो पूर्वांचल के सरकारी सिस्टम में एमआरआई की व्यवस्था नहीं है। परिणाम बीएचयू में जांच के लिए कई माह तक की वेटिंग दर्द बढ़ाती है। प्रांतीय चिकित्सा सेवा में पं. दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में छह साल पहले एमआरआई मशीन लगाने की तैयारी थी। भवन भी बनकर तैयार हो गया, लेकिन मशीन लगाना और संचालन होना तो दूर अब मेडिकल कालेज के लिए भवन टूटने जा रह है। ऐसे में नए स्थान की तलाश की जा रही है। आजमगढ़

में प्रस्तावित मशीन का भी यही हाल है। नौ दिसंबर 2024 को मंडलीय चिकित्सालय में निरीक्षण करने आए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से एमआरआई मशीन स्थापित कराने के लिए दैनिक जागरण ने कोशिश की थी। इसके बाद 17 अप्रैल 2025 को एमडी एनएचएम एवं चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सचिव डा. पिंकी जोवेल से बात की थी। इस पर उन्होंने सीएमओ को शीघ्र शुरू कराने को कहा था। पं. दीनदयाल अस्पताल में एमआरआई मशीन स्थापित कराने के लिए 2018 में प्रयास शुरू किया गया

था। अब मेडिकल कालेज खोलना है। चिह्नित स्थान के दायरे में 96.81 लाख रुपये खर्च कर बनाया गया भवन भी आ गया। अब आयुष विंग, सीटी स्कैन सेंटर, ट्रामा सेंटर, साइकिल स्टैंड भी ध्वस्त करने पर निर्णय हो चुका है। ऐसे में वाराणसी मंडल के किसी भी सरकारी अस्पताल में एमआरआई जांच की व्यवस्था नहीं है।

बीएचयू में इसके लिए पांच हजार से अधिक रुपये लिए जाते हैं। प्राइवेट अस्पताल में 15 से 20 हजार रुपये इस जांच में लग जाते हैं।

तीन टेक्सला का लेटेस्ट माडल एमआरआई लगने जा रहा है। 22 सितंबर को सीएसआर फंड से प्रस्तावित कर दिया गया है। सीडीओ हिमांशु नागपाल और सीएमओ डा. संदीप चौधरी से सहमति के बाद यह तय हुआ है। एमआरआई के संचालन के लिए एचएलएल कंपनी से कोशिश की जा रही है। साथ ही अगर पीडीडीयू अस्पताल में भी एमआरआई मशीन लगवाने के लिए कोशिश सीडीओ के द्वारा की जा रही है।

गजरौला में जहरीली गैस से बिगड़े हालात, काबू करने में एनडीआरएफ को लगे पांच घंटे

गजरौला, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

बेस्ट क्रॉप साइंस लिमिटेड द्वारा छोड़ी गई जहरीली गैस से बिगड़े हालात सामान्य करने में नोएडा से आई एनडीआरएफ की टीम को पांच घंटे का समय लगा।

एडीएम, एसडीएम, सीओ, ईओ, दमकलकर्मी सुबह पांच बजे तक फैक्टरी में रहकर जानकारी लेते रहे। रात में ही सूचना मिलने के बावजूद 15 घंटे बाद दोपहर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम फैक्टरी में पहुंची और रिसाव की जानकारी ली।

औद्योगिक क्षेत्र में रेलवे लाइन किनारे स्थित फैक्टरी में खेती में इस्तेमाल किए जाने वाली कीटनाशक दवाइयां बनाई जाती हैं। उसके वेयर हाउस में सोमवार रात करीब 50 टन कच्चा माल रखा था। जिससे पेस्टीसाइड बनाया जाता है। फैक्टरी के प्रशासनिक अधिकारी सुबोध कुमार गुप्ता ने बताया कि वेयर हाउस में रखे कच्चे माल में सीओ-2 व एनओ-2 का एक दूसरे के संपर्क में आ जाने के कारण रात करीब आठ बजे धुआं उठने लगा।



यह थोड़ी ही देर में पूरे इलाके में फैल गया। आसमान में धुंध छा गई। अल्लोपुर भूड, तिगरिया भूड, लक्ष्मी नगर, नाईपुरा, हसनपुर मार्ग पर चौपला के साथ ही नजदीकी गांवों छोया, लिसिडी बुजुर्ग, सिहाली जागीर आदि गांवों में भी कोहरे जैसी यह धुंध फैल गई। लोगों को सांस लेना दूधर हो गया। आंखों में जलन होने के कारण लोग घरों से बाहर निकल आए थे।

जिसकी जानकारी मिलने पर रात 11 बजे एसडीएम विभा श्रीवास्तव, सीओ अंजलि कटारिया, एडीएम वित्त एवं राजस्व, ईओ ललित कुमार आर्य मौके पर पहुंचे। यहां पर छा रही धुंध से बिगड़े हालात देख एसडीएम ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम को सूचना दी। सूचना पाकर दमकल कर्मी भी पहुंच गए।

प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के लिए बनी टीम रात में नहीं आई।

वह सूचना मिलने के 15 घंटे बाद दोपहर एक बजे फैक्टरी में पहुंची। उधर रात में करीब एक 12 आई एनडीआरएफ की टीम फैक्टरी में गैस रिसाव पर काबू पाने में जुट गई। तड़के करीब 5 बजे तक उसने हालात पर काबू पाया। तब तक अधिकारी व कर्मचारी फैक्टरी में ही डटे रहे।

बेस्ट क्रॉप साइंस प्राइवेट लिमिटेड फैक्टरी का वेयर हाउस कच्चे माल से भरा हुआ था। उससे गैस का इस कदर रिसाव हुआ कि फैक्टरी में काम करने वाले कर्मचारियों की भी हालत बिगड़ने लगी। इस बीच नगर के लोगों की हालत खतरे में देख एडीएम व एसडीएम ने गैस रिसाव का ठिकाना वेयर हाउस को तोड़ने के निर्देश दिए। जिस पर हाइड्रा बुलाया गया। उसे तोड़ा गया। तब जाकर कुछ हालात सामान्य हुए। दोपहर को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने फैक्टरी का निरीक्षण किया। गैस रिसाव के कारणों की जानकारी ली।

अयोध्या विकास प्राधिकरण ने खारिज की धन्नीपुर में मस्जिद निर्माण की योजना

अयोध्या , 23 सितंबर (एजेंसियां)।

अयोध्या विकास प्राधिकरण ने धन्नीपुर में मस्जिद निर्माण के लिए प्रस्तुत की गई योजना को खारिज कर दिया है। एडीए ने सरकारी विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र न मिलने का हवाला दिया है। बता दें कि यह जमीन सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार राज्य सुन्री सेंट्रल वक्फ बोर्ड को आवंटित की गई थी। एक आरटीआई के जवाब में, एडीए ने 16 सितंबर को लिखे एक पत्र में कहा कि मस्जिद ट्रस्ट का आवेदन जो 23 जून, 2021 को प्रस्तुत किया गया था उसे खारिज कर दिया गया है। यह आवेदन लोक निर्माण, प्रदूषण नियंत्रण, नागरिक उड्डयन, सिंचाई, राजस्व, नगर निगम और अग्रिशमन सेवा विभागों से मंजूरी के अभाव के कारण खारिज किया गया था।

दरअसल, सातों से विवादित अयोध्या राम जन्मभूमि बाबरी मस्जिद मामले का सुप्रीम कोर्ट ने 9 नवंबर, 2019 को अपना फैसला सुनाया था। इस फैसले के मुताबिक



अयोध्या में एक प्रमुख स्थान पर मस्जिद और संबंधित सुविधाओं के निर्माण के लिए सुन्री सेंट्रल वक्फ बोर्ड को पांच एकड़ जमीन आवंटित करने का आदेश दिया था। इसके बाद 3 अगस्त 2020 को तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट अनुज कुमार झा ने अयोध्या शहर से लगभग 25 किलोमीटर दूर सोहावल तहसील के धन्नीपुर गांव में जमीन का कब्जा हस्तांतरित कर दिया। आरटीआई के जवाब में एडीए ने यह भी पुष्टि की कि मस्जिद ट्रस्ट ने परिचय पत्र के लिए आवेदन और जांच शुल्क के रूप में 4,02,628 रुपये जमा किए

थे। इस अस्वीकृति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, मस्जिद ट्रस्ट के सचिव अतहर हुसैन ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिद के लिए जमीन का आवंटन किया था और उत्तर प्रदेश सरकार ने भूखंड आवंटित किया था। मैं यह समझ नहीं पा रहा हूं कि सरकारी विभागों ने अनापत्ति क्यों नहीं दी और प्राधिकरण ने मस्जिद की योजना को क्यों खारिज कर दिया।' उन्होंने कहा कि स्थल निरीक्षण के दौरान, अग्रिशमन विभाग ने पहुंच मार्ग को लेकर चिंता जताई थी और कहा था कि प्रस्तावित मस्जिद और अस्पताल भवन के मानदंडों के अनुसार यह कम से कम 12 मीटर चौड़ा होना चाहिए, जबकि स्थल पर सड़क केवल लगभग छह मीटर चौड़ी है और मस्जिद के मुख्य प्रवेश द्वार पर केवल चार मीटर चौड़ी है। उन्होंने कहा, 'अग्रिशमन विभाग की आपत्ति के अलावा मुझे अन्य विभागों की आपत्तियों के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

सड़कों पर संघर्ष के रास्ते उतरेगी बसपा, लाई-चना खाएंगे रैली सफल बनाएंगे का दिया जाएगा नारा

लखनऊ, 23 सितंबर (एजेंसियां)।

बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम के आगामी 9 अक्टूबर को परिवर्ण दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली रैली के लिए पार्टी युद्धस्तर पर तैयारियां हो रही हैं। राजधानी के जेल रोड स्थित कांशीराम स्थल पर बसपा सुप्रीमो मायावती इस रैली को संबोधित करेंगी, जिसमें केंद्रीय संयोजक आकाश आनंद समेत

पार्टी के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। फिलहाल पार्टी का लक्ष्य 5 लाख लोगों को बुलाने का है, हालांकि संसाधनों के अभाव में समर्थकों को अपने साधनों से रैली में आने को कहा गया है।

बसपा ने इस रैली को सफल बनाने के लिए गांव-गांव में 'लाई-चना खाएंगे, रैली को सफल बनाएंगे' का नारा दिया है। समर्थकों को यह संदेश



भी दिया गया है कि वह अपने साथ सूखा राशन लेकर आए। पार्टी द्वारा आशियाना स्थित रमाबाई अंबेडकर स्थल पर उनके ठहरने की व्यवस्था की जा रही है। जहां पर दलित महापुरुषों, कांशीराम और मायावती की उल्लेखितों वाले गाने भी बजाए जाएंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा गया है कि वह पूरे अनुशासन के साथ रैली स्थल जाएंगे और उसी तरह

वापसी भी करेंगे। वहीं कई जिलों में बसपा के पदाधिकारी रेलवे से भी समन्वय स्थापित कर रहे हैं ताकि रैली में जाने वाले पार्टी समर्थकों को कोई असुविधा न हो। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा कि आगामी 9 अक्टूबर को राजधानी में बसपा समर्थकों का विशाल जमावड़ा होगा, जो बसपा सुप्रीमो मायावती के संदेश को सुने आएंगे।

रैली को सफल बनाने की कवायद की जा रही है। खासकर बीते दिनों गांवों में आयोजित कैडर कैंपों में शामिल लोगों को अधिक से अधिक संख्या में लोगों को लाने को कहा गया है। कई जिलों में रैली को सफल बनाने के लिए बहुजन जागरूकता बाइक रैली भी निकाली जा रही है। वहीं कुछ समर्थक रैली में लोगों को ले जाने के लिए क्राउड फंडिंग भी कर रहे हैं।



उबर ने अहमदाबाद, हावड़ा स्टेशन पर सेवाओं के लिए भारतीय रेलवे के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियाँ) । ऑनलाइन कैब सेवा प्रदाता कंपनी उबर ने अहमदाबाद और हावड़ा रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए भारतीय रेलवे के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी का उद्देश्य प्रमुख परिवहन केंद्रों पर यात्री संपर्क में सुधार करना और मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम को मजबूत करना है। यह पहल यात्रियों के लिए रेलवे स्टेशनों के साथ जोड़कर एक सुगम और आसान और निर्बाध बनाने की दिशा में

साझेदारी का उद्देश्य प्रमुख परिवहन केंद्रों पर यात्री संपर्क में सुधार करना

महत्वपूर्ण कदम है। उबर के एक अधिकारी ने बताया कि इस साझेदारी से शहरी परिवहन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मदद मिलेगी। उबर की तकनीक को रेलवे स्टेशनों के साथ जोड़कर एक सुगम और सहज परिवहन प्रणाली विकसित की

जाएगी, जिससे यात्रियों को स्टेशन से अपनी मंजिल तक पहुंचने में सुविधा होगी। यह कदम यात्रियों के लिए विभिन्न प्रकार के परिवहन के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। हावड़ा रेलवे स्टेशन पूर्वी भारत का एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है, जहां प्रतिदिन 10 लाख से अधिक यात्री यात्रा करते हैं। वहीं, अहमदाबाद रेलवे स्टेशन देश का सातवां सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन है, जो प्रतिदिन 1.2 लाख से अधिक यात्रियों को सेवा प्रदान करता है। अनुमान

है कि 2053 तक अहमदाबाद स्टेशन की क्षमता तीन लाख से अधिक यात्रियों तक बढ़ जाएगी। यह साझेदारी भारत में रेलवे स्टेशनों पर उबर का पहला प्रबंधित परिचालन भी है। इस सहयोग से रेलवे और उबर दोनों को ही यात्रियों के लिए बेहतर सेवा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उबर की यह पहल यात्रियों के लिए शहरों में आवागमन को और अधिक सरल, सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

न्यूज़ ब्रीफ

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने जुलाई में 21.04 लाख नए सदस्य जोड़े



नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने जुलाई महीने में शुद्ध रूप से 21.04 लाख सदस्यों को जोड़ा है। इसमें सालाना आधार पर 5.55 फीसदी की वृद्धि हुई है। ईपीएफओ ने जुलाई 2025 में शुद्ध रूप से 9.79 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। इनमें 18-25 आयु वर्ग के 5.98 लाख युवा शामिल हैं, जो कुल नए ग्राहकों का 61.06 फीसदी है। इस वर्ग में शुद्ध पेरोल वृद्धि 9.13 लाख रही। श्रम और रोजगार मंत्रालय आंकड़े से पता चलता है कि ईपीएफओ सदस्य अंतिम निपटान के बजाय ईपीएफ खाते में जमा राशि स्थानांतरित कर अपनी सामाजिक सुरक्षा बनाए रखने को प्राथमिकता दे रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक पहले नौकरी छोड़ चुके लगभग 16.43 लाख पुराने सदस्य जुलाई में दोबारा ईपीएफओ के साथ जुड़े हैं। इसमें सालाना आधार पर 12.12 फीसदी की दर्ज की गई। जुलाई में 2.80 लाख नई महिला सदस्य जुड़ीं, जिससे कुल महिला शुद्ध पेरोल वृद्धि करीब 4.42 लाख रही। इसमें सालाना आधार पर 0.17 फीसदी वृद्धि दर्ज हुई, जो कार्यबल में बढ़ती विविधता को दर्शाती है। वेंतन भुगतान आंकड़ों के राजस्वार विश्लेषण से पता चलता है कि शेष पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने कुल वेतन में लगभग 60.85 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है, जिससे जुलाई के दौरान कुल करीब 12.80 लाख कुल वेतन भुगतान जुड़े हैं। जुलाई के दौरान सभी राज्यों में महाराष्ट्र 20.47 फीसदी कुल वेतन जोड़कर सबसे आगे है। मंत्रालय के मुताबिक ईपीएफओ का ये पेरोल आंकड़ा अस्थायी है, क्योंकि कर्मचारियों का रिक्तों अद्यतन करने की प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है।

विदेशी धरती पर लगा भारत का डिफेंस मैनुफैक्चरिंग सेटअप, टीएस मोरवको में बनाएगी व्हील्स आर्माई प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स (टीएसए) अफ्रीकी देश मोरक्को में डिफेंस



मैन्युफैक्चरिंग कंपनी ने व्हील्स आर्माई प्लेटफॉर्म (डब्ल्यूएफपी) का निर्माण किया जाएगा। विदेशी धरती पर भारत पहली बार डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी सेटअप करने वाला है। दावा किया जा रहा है कि मोरक्को में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी सेटअप करके भारत ने डिफेंस सेक्टर में मेक इन इंडिया से आगे बढ़ते हुए मेक फॉर द वर्ल्ड की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। इस संबंध में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार मोरक्को के बेरेचिड में शुरू हो रही ये कंपनी जिस व्हील्स आर्माई प्लेटफॉर्म (डब्ल्यूएफपी) का निर्माण करने वाली है, उसे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स (टीएसए) ने मिलकर डिजाइन किया है। आठ चक्को वाला ये मुलक वाहन जमीन के साथ पानी में भी चल सकता है। इसके साथ ही ये बैलिरिस्टिक और बारूदी सुरंगों को लेकर भी एडवांस लेवल की सुरक्षा मुहैया कराती है।

टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन ने किया 10:1 स्टॉक स्प्लिट का ऐलान, 14 अक्टूबर को रिक्तों डेट घोषित



नई दिल्ली। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड पहली बार अपने शेयर का स्टॉक स्प्लिट करने जा रही है। कंपनी ने शेयरधारकों की मंजूरी मिलने के बाद 14 अक्टूबर 2025 को रिक्तों डेट घोषित की है। इस दिन जिन निवेशकों के पास शेयर होंगे, उन्हें नए शेयर दिए जाएंगे। स्टॉक स्प्लिट का अनुपात 10:1 रखा गया है, जिसका मतलब है कि हर एक पुराने शेयर को 10 नए शेयरों में बदला जाएगा। इसके साथ ही पुराने शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपए से घटाकर नए शेयर की फेस वैल्यू 1 रुपए कर दी जाएगी। 23 सितंबर 2025 को टाटा इन्वेस्टमेंट के शेयर बीएसई पर 7,392 रुपए की कीमत पर ट्रेड कर रहे थे, जो सुबह 10 बजे 1.55 रुपए ऊपर थे। स्टॉक स्प्लिट के बाद, शेयर की कीमत लगभग दस गुना घट जाएगी, लेकिन कुल निवेशकों की संपत्ति में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इसका मतलब यह है कि निवेशक के पास शेयरों की संख्या तो बढ़ेगी, लेकिन उनकी कुल कीमत लगभग पहले के बराबर रहेगी। टाटा इन्वेस्टमेंट के शेयर ने पिछले एक साल में 8 फीसदी मुनाफा दिया है।

उतार-चढ़ाव के बीच लगातार तीसरे दिन लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली गिरावट

बाजार की कमजोरी के कारण निवेशकों को लगी 1.39 लाख करोड़ की चपट

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियाँ) । दिन भर उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। दिन के पहले सत्र में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं, दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का दम दिखाया। हालांकि आखिरी 1 घंटे के कारोबार में दोबारा बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लाल निशान में गिर कर बंद हुए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स ने 0.07 प्रतिशत और निफ्टी ने 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार का अंत किया।

दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। दूसरी ओर, रियल्टी, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह कैपिटल गूड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडिकैप इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई ओवरऑल कमजोरी के साथ ही मिडिकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद घट कर 463.67 लाख करोड़ रुपये (अर्न्ततिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 465.06 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 1.39 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,311 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,808 शेयर बहुत के साथ बंद हुए, जबकि 2,345 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 158 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए।



एनएसई में 2,768 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,176 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,592 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर बढ़त के साथ और 17 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 12.60 अंक की मामूली गिरावट के साथ 82,147.37 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से ये सूचकांक पहले 5 मिनट में ही करीब 150 अंक की तेजी के साथ 82,307.50 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से ये सूचकांक अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स 383.44 अंक की कमजोरी के साथ 81,776.53 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक निचले स्तर से 590 अंक से अधिक उछल कर 210.41 अंक की मजबूती के साथ 82,370.38 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी।

कारोबार के आखिरी घंटे में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 265 अंक से अधिक टूट कर 57.87 अंक की कमजोरी के साथ 82,102.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने 6.65 अंक की मामूली तेजी के साथ 25,209 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण पहले 5 मिनट के कारोबार में ही ये सूचकांक उछल कर 25,250.85 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से थोड़ी देर में ही ये सूचकांक गिर कर लाल निशान में आ गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले निफ्टी 117.70 अंक की कमजोरी के साथ 25,084.65 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारी ने लिवाली का जोर बना दिया। लगातार हो रही लिवाली के कारण दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद निफ्टी निचले स्तर से 175 अंक से अधिक की रिकवरी करके 59.55 अंक की मजबूती के साथ 25,261.90 तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि आखिरी घंटे के कारोबार में एक बार फिर मुनाफा चूसी शुरू हो जाने के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से 90 अंक से अधिक फिसल कर 32.85 अंक की गिरावट के साथ 25,169.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वीटो पावर की...

विस्तार का विस्तृत पैराग्राफ शामिल करवाया, जो पहली बार इतनी स्पष्टता से सुधार की मांग करता है। पीएम मोदी ने व्लोबल साउथ की अगुवाई में इस मुहिम को तेज किया है। संयुक्त राष्ट्र का यह समर्थन भारत की कूटनीतिक ताकत को रेखांकित करता है। गुटबंद ने भारत सरकार के साथ अपने अच्छे संबंधों का जिक्र किया और कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण है। यदि सुधार होता है, तो भारत को न केवल स्थायी सीट मिल सकती है, बल्कि वीटो पावर की मांग भी मजबूत हो जाएगी। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि चीन और पाकिस्तान जैसे विरोधियों के कारण प्रक्रिया लंबी खिंच सकती है। फिर भी, यह कदम भारत को वैश्विक मंच पर और मजबूत बनाता है, जहां वह शांति, विकास और बहुपक्षवाद का प्रतीक है।

सात महीनों में सात...

ट्रंप ने जोर देकर कहा कि इन भयंकर युद्धों में हजारों लोग मारे गए थे, और संयुक्त राष्ट्र से उन्हें कोई मदद नहीं मिली। संयुक्त राष्ट्र अपनी क्षमता के करीब भी नहीं पहुंच रहा है, उन्होंने टिकाक्ष किया। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के संदर्भ में ट्रंप ने कहा कि 10 मई को वाशिंगटन की मध्यस्थता में रात भर लंबी बातचीत के बाद दोनों देश पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हुए। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने करीब 50 बार यह बात दोहराई है। यह दावा 2025 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष से जुड़ा है, जो 22 अप्रैल को पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में हुए आतंकी हमले से शुरू हुआ। इस हमले में लश्कर-ए-तैयबा की शाखा द रैसिस्टेंस फ्रंट ने जिम्मेदारी ली, जिसमें 26 नागरिक (ज्यादातर हिंदू पर्यटक) मारे गए। भारत ने इसे पाकिस्तान प्रायोजित बताया और 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल और हवाई हमले किए गए। चार दिनों तक ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद 10 मई को युद्धविराम हुआ। पाकिस्तान ने हमले को फॉल्स फ्लैग बताया, जबकि भारत ने इंडस वाटर ट्रीटी सस्पेंड कर दी। भारत ने ट्रंप के दावे को बार-बार खारिज किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि युद्धविराम डीजीएमओ (डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशंस) स्तर पर सीधी बातचीत से हुआ, कोई तीसरा पक्ष शामिल नहीं था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए किसी विदेशी नेता ने हस्तक्षेप नहीं किया। भारत का रुख है कि यह द्विपक्षीय मामला था, और ट्रंप का दावा अतिशयोक्ति है। वहीं, पाकिस्तान ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने की बात कही, लेकिन भारत ने इसे खारिज करते हुए कहा कि संघर्ष सैन्य दबाव से समाप्त हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप का दावा उनकी विदेश नीति की छवि बनाने का प्रयास है।

ट्रंप के दावे पर दुनिया मिश्रित प्रतिक्रिया दे रही है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र महासभा साइडलाइन्स पर ट्रंप से मुलाकात की, जहां मध्यस्थता की सराहना की गई। भारत ने इसे करीब से निगरानी में रखा। अन्य युद्धों पर ट्रंप का दावा विवादाल्पद है-जैसे आर्मेनिया-अजर्बैजान में उनकी भूमिका को मान्यता मिली, लेकिन भारत-पाक और ईरान-इजरायल पर विवाद बरकरार। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सुधार की वकालत की, लेकिन ट्रंप की आलोचना पर चुप्पी साधी। ट्रंप ने अवैध प्रवासन पर भी चेतावनी दी, कहा कि संयुक्त राष्ट्र इसे बढ़ावा दे रहा है।

ट्रंप के भाषण से ...

न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस के प्रमुख एजेंट मैट मैकूल ने कहा, यह सिस्टम सेल टावरों को गिरा सकता था, जिससे लोग संवाद नहीं कर पाते-न टेक्स्ट, न कॉल। संयुक्त राष्ट्र महासभा जैसे आयोजन के साथ जुड़ा जाए तो शहर के लिए विनाशकारी हो सकता था। फॉरेंसिक जांच जारी है, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट्स

में विदेशी राष्ट्रों और पहले से संदिग्ध व्यक्तियों से जुड़े सेलुलर संचार मिले हैं, जो बड़ी साजिश की आशंका पैदा करते हैं।

एजेंसी की एडवांस्ड थ्रेट इंटरडिक्शन यूनिट ने वसंत में वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों को धमकियों की जांच के दौरान इस नेटवर्क का पता लगाया। शुरुआती विश्लेषण में नेशन-स्टेट थ्रेट एक्टर्स (राष्ट्र-राज्य खतरों) और संघीय कानून प्रवर्तन को ज्ञात व्यक्तियों के बीच संपर्क पाए गए। एक कानून प्रवर्तन स्रोत के अनुसार, यह प्लॉट चीनी सरकार से जुड़ा हो सकता है। डायरेक्टर सीन करन ने कहा, इस नेटवर्क से अमेरिकी टेलीकॉम ढांचे को गंभीर खतरा था। हमारी प्राथमिकता ऐसे खतरों को रोकना है और दुश्मनों को संदेश देना कि अमेरिका की सुरक्षा से समझौता बर्दाश्त नहीं। जांच में होमलैंड सिक्वोरिटी, जस्टिस डिपार्टमेंट और फेडरलबीपीडी जैसे एजेंसियां शामिल हैं। अभी तक संयुक्त राष्ट्र महासभा को सीधा निशाना बनाने का सबूत नहीं मिला, लेकिन समय और स्थान संदिग्ध हैं।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह नेटवर्क जून में हुई घटनाओं से जुड़ा हो सकता है, जहां अज्ञात व्यक्तियों ने एआई का इस्तेमाल कर व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टॉफ सूजी वाइल्स और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की नकल की। जून में, रुबियो के नाम से सिग्रल ऐप पर फर्जी अकाउंट बनाकर तीन विदेशी मंत्रियों, एक अमेरिकी गवर्नर और एक कांग्रेस सदस्य से संपर्क साधा गया। एआई से बनी आवाज और लेखन शैली का इस्तेमाल कर सूचना चुनने की कोशिश की गई। मई में वाइल्स की नकल की गई थी, जहां उनके संपर्कों को फोन और मैसेज भेजे गए। स्टेट डिपार्टमेंट ने जुलाई में कर्मचारियों को अलर्ट जारी किया था कि यह प्रयास सूचना या अकाउंट्स हासिल करने का था।संयुक्त राष्ट्र महासभा का यह सत्र बेटर टुगेदर: 80 ईयर्स फॉर पीस, डेवलपमेंट एंड ह्यूमन राइट्स थीम पर चल रहा है, जहां गाजा, यूक्रेन जैसे मुद्दों पर चर्चा हो रही है। ट्रंप का भाषण शाम को होने वाला है, जिसमें वे अपनी विदेश नीति पर जोर देंगे। मैकूल ने चेतावनी दी कि अन्य शहरों में भी ऐसे नेटवर्क हो सकते हैं। ब्रिटेन ने अप्रैल में सिम फार्म्स पर प्रतिबंध लगाया है, जो इसी तरह के हमलों को रोकता है। एजेंसी ने कहा कि जब डिवाइस अब खतरा नहीं है, लेकिन जांच जारी रहेगी। यह घटना अमेरिकी साइबर सिक्वोरिटी की कमजोरियों को उजागर करती है, खासकर एआई और टेलीकॉम हमलों के दौर में।

राजनाथ ने किया ...

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और मोरक्को सदियों से समुद्री व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और परस्पर सम्मान से जुड़े रहे हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों ने नवीकरणीय ऊर्जा, उर्वरक, सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन और अब रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया है। यह साझेदारी आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक दृष्टि से दोनों देशों के लिए लाभकारी साबित होगी।टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की मोरक्को सुविधा से स्थानीय इंजीनियरों, तकनीशियनों और कुशल श्रमिकों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। यह संयंत्र स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं और छोटे व्यवसायों का इकोसिस्टम विकसित करेगा, नवाचार को बढ़ावा देगा और केंसास्त्रांका क्षेत्र में आर्थिक विकास को गति देगा।रक्षा मंत्री ने बताया कि यह संयंत्र केवल निर्यात-आयात का माध्यम नहीं, बल्कि वास्तविक साझेदारी का प्रतीक है। मोरक्को अफ्रीका का प्रवेश द्वार और वैश्विक व्यापार की कड़ी के रूप में महत्वपूर्ण है, जबकि भारत तकनीकी और औद्योगिक नवाचार का केंद्र बन चुका है। यह सुविधा दोनों देशों के लिए आर्थिक और तकनीकी दृष्टि से लाभकारी है और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को भी साकार करेगी।

भारत-श्रीलंका के...

इसके अलावा, दोनों नौसेनाएं बहुपक्षीय कार्यक्रमों जैसे इंडियन ओशन नेवल सिम्पोजियम, गॉल डायलॉग, मिलान, गोवा मैरिटाइम कॉन्क्लेव और कोलंबो

सिक्वोरिटी कॉन्क्लेव में भी हिस्सा लेती हैं।

इसी दौरे के तहत, भारतीय नौसेना का स्टीथ फ्रिगेट आईएनएस सतपुड़ा भी कोलंबो पहुंचा है, जहाँ इसका चालक दल अपने श्रीलंकाई समकक्षों के साथ साझा नौसैनिक अभ्यास करेगा। इस दौरान योगाभ्यास और दोस्ताना खेल सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

भारत का प्रयास है कि वह श्रीलंका के साथ रणनीतिक रूप से और करीब आए, ताकि हिंद महासागर क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभुत्व का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके।

मोहनलाल को दादासाहेब ...

और लचीलेपन के प्रति एक सामूहिक सम्मान के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा कि जब उन्हें केंद्र से पहली बार यह समाचार मिला तो वे न केवल इस सम्मान से, बल्कि मलयालम सिनेमाई परंपरा की आवाज को आगे बढ़ाने के लिए चुने जाने के सौभाग्य से भी अभिभूत थे।

7.44 करोड़ की...

अर्जित करने का आरोप लगाया गया था। सीबीआई ने दिसंबर 2018 में उनके, उनकी पत्नी पूनम जैन और अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। मार्च 2022 में, ईडी ने इस मामले में 4.81 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी और अभियोजन पक्ष की शिकायत दर्ज की थी, जिस पर बाद में दिल्ली की एक अदालत ने सज़ान लिया था। नवीनतम कार्रवाई के साथ, अब कुर्की की कुल राशि 12.25 करोड़ रुपये हो गई है – एजेंसी के अनुसार यह राशि जैन द्वारा कथित रूप से अर्जित आय से अधिक संपत्ति के पूरे मूल्य का प्रतिनिधित्व करती है।

ईडी के अनुसार, नवंबर 2016 में नोटबंदी के तुरंत बाद, सत्येंद्र जैन के करीबी सहयोगियों अंकुश जैन और वैभव जैन ने 7.44 करोड़ रुपये नकद जमा किए थे। उन्होंने चार कंपनियों के नाम पर 16.53 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की थी, जिनके बारे में अधिकारियों ने बाद में निर्धारित किया कि वे सत्येंद्र जैन के स्वामित्व और नियंत्रण में थीं।

आयकर विभाग और दिल्ली उच्च न्यायालय दोनों ने ही जैन के सहयोगियों को बेनामी धारक माना था, तथा उनकी अपीलों को खारिज करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस निष्कर्ष को बरकरार रखा था। इसके बाद, ईडी ने अपने निष्कर्ष सीबीआई के साथ साझा किए, जिसने जैन के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के आरोपों को बढ़ाते हुए एक पूरक आरोपपत्र दायर किया। ईडी ने कहा है कि वह जल्द ही इस मामले में एक पूरक अभियोजन शिकायत दर्ज करेगा। इस बीच, नई दिल्ली की राज़ एवैन्चू कोर्ट में मुकदमा चल रहा है।

जम्मू-कश्मीर में सिर्फ...

साझा नहीं की गई है। लेकिन सूत्र सीआरपीएफ की कंपनियों को वहां से हटाने की एक बड़ी वजह इन्हें आने वाले समय में एंटी-नक्सली अभियान में लगाना बता रहे हैं।

वैसे, अभी कुछ रोज पहले नक्सलियों की तरफ से एक पत्र जारी करके सरकार से एक महीने के लिए सीजफायर करने की मंशा जाहिर की गई थी। जिसमें नक्सलियों ने हथियार छोड़कर समाज की मुख्य धारा में आने की बात कही थी। लेकिन इसके दो दिन बाद ही नक्सलियों के दूसरे ग्रुप से एक और पत्र जारी करके कहा गया कि पहला जो पत्र जारी किया गया था। वह सभी नक्सली कैडर को विश्वास में लेकर नहीं किया गया था। हम सरकार के सामने सैंडर करने के पक्ष में नहीं हैं। ऐसे में नक्सलियों में ही दो फाड़ सामने आ रही है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT

Timings : 9 am to 7 pm

Head office

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS

4th Floor, 19 Towers (T19),

Near Bus Stand, Ranigunj,

Secunderabad - 500 003

8688868345

शुभ लाभ

महाराष्ट्र

भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 24 सितंबर, 2025

शुभ लाभ

आपकी सेवा में

शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए

मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती पर डांडिया उत्सव का भव्य आयोजन



हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती को अतिथि कन्वेंशन में भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर डांडिया उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 4000 लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा श्री अग्रसेन

जी के जयकारे से हुई, जिसमें सभी ने एकजुट होकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बाद दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना हुई, जिसकी प्रस्तुति ज्ञान बाग कॉलोनी शाखा के युवाओं ने दी। माननीय अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने सभी को जयंती की शुभकामनाएं दीं और अगले वर्ष डांडिया महोत्सव को और भव्य बनाने का संकल्प लिया। उप सचिव एवं मुख्य

संयोजिका डॉ. सीमा जैन ने प्रिविलेज कार्ड की सुविधाओं के बारे में बताया। डांडिया उत्सव की संयोजिका पूजा गुप्ता ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में बेस्ट कपल डांस, बेस्ट फीमेल डांस, बेस्ट कॉस्ट्यूम, और बेस्ट डांडिया जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जांच के लिए विशेष अतिथि बिना मेहता, डॉ. सुधा जैन, एक्टर

लोहित कुमार, डॉ. साई जीवना, और कृतिका शर्मा उपस्थित रहे। बेस्ट कपल डांस: दीपेश और याशिता (पहला पुरस्कार - हवाई यात्रा और फाइव स्टार होटल ठहरने का पैकेज), योगेश और पायल अग्रवाल (दूसरा पुरस्कार - 32 इंच स्मार्ट टीवी), प्रायोजक: पूजा गुप्ता। बेस्ट आउटफिट (पुरुष वर्ग): मोहित अग्रवाल (स्मार्ट वॉच), प्रायोजक: अभिषेक अग्रवाल, शिव स्टील सिंकदराबाद प्राइवेट लिमिटेड। बेस्ट कंसिस्टेंट फीमेल डांसिंग: दीपिका अग्रवाल, प्रायोजक: अनुराधा और आईशिनी बंसल (प्रीटी वुमन)। लकी ड्रॉ: चांदी के सिक्के, प्रायोजक: पूजा गुप्ता रहीं। माता दुर्गा की महा आरती का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने जयकारों के साथ आनंद लिया। युवा शक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए एंकरिंग का दायित्व इशिता अग्रवाल, ऋषभ अग्रवाल, प्रिशा अग्रवाल, निधि अग्रवाल, ऋषिका अग्रवाल, और कनक ने संभाला। विभिन्न कमेटीयों के अंतर्गत अभिषेक अग्रवाल, पूजन अग्रवाल, अजय तुलस्यान, पवन अग्रवाल, धर्मेन्द्र, अभिजीत, मुकेश बंसल, रिया केडिया, मनीषा अजीत सरिया, दीपा अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, संगीता जाजोदिया, कविता गोयल, सुशील केडिया, बबीता अग्रवाल, नमन अग्रवाल, अनिशा अग्रवाल, तनीषा अग्रवाल, तनुष्री अग्रवाल, मुस्कान अग्रवाल, ऋषिक अग्रवाल और अन्य ने योगदान दिया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।



अग्रवाल समाज, मलकपेट शाखा ने अपने मासिक कार्यक्रम के तहत गंज स्थित अग्रसेन हॉल के पास अन्नप्रसाद का आयोजन किया। इस दौरान, लगभग 650 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया, जिससे यह कार्यक्रम सफल रहा। इस अवसर पर, समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने अपनी सेवाएं दीं। इनमें शाखा के अध्यक्ष पंकज कुमार संधी, सह-मंत्री शैलेश अग्रवाल, और परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल शामिल थे। इसके अतिरिक्त, लाजपत राय गुप्ता, हरिश्चंद्र बजाज, और सतीश बंसल ने भी इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सीएसआईआर-आईआईसीटी में हिंदी पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता सम्पन्न

हिंदी पखवाड़ा के तहत साहित्यिक समृद्धि और स्वभाषा के प्रति जागरूकता का संदेश

हिंदी साहित्य की विविधता पर गहन चर्चा, कालजयी रचनाओं को मिली नई दृष्टि



हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीएसआईआर - आईआईसीटी में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत 23 सितंबर को आयोजित हिंदी पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता में वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने भाग लेकर हिंदी साहित्य की विविधता और गहराई को उजागर किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने अब्दुल कलाम, प्रतिभा राय, राहुल सांकृत्यायन, यू.आर. अनंतमूर्ति, शरतचंद्र चट्टोपध्याय, मानव कौल, स्वामी विवेकानंद, उदय प्रकाश, नरेंद्र दाभोलकर, शहीद भगत सिंह, भीमराव आंबेडकर, श्रीलाल शुक्ल, फैज अहमद फैज, अमीर खुसरो जैसे लेखकों की कृतियों पर समीक्षात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने विश्वास और अंधविश्वास, 22वीं सदी, मृत्युंजय, चित्रहीन, पीली छतरी वाली लड़की, कादंबरी, द्रौपदी, बुद्ध और उसका धम्म जैसी पुस्तकों पर चर्चा करते हुए यह दर्शाया कि हिंदी साहित्य केवल कल्पना तक

सीमित नहीं है, बल्कि इसमें वैचारिक, अध्यात्मिक और वैज्ञानिक लेखन की भी भरपूर संभावनाएं हैं। निर्णायक के रूप में उपस्थित श्रीमती अनीता पांडे, सहायक निदेशक, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान ने कहा, आज जब लोग किताबों से दूर हो रहे हैं, ऐसे आयोजनों से न केवल साहित्यिक रुचि जागृत होती है, बल्कि नई पीढ़ी को पढ़ने की प्रेरणा भी मिलती है। आईआईसीटी के प्रशासन नियंत्रक एम. आनंद कुमार ने निर्णायक महोदय को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए कहा, हिंदी को बढ़ावा देने के लिए यह आयोजन 'सबके साझा प्रयासों से सबका साझा विकास' की भावना को साकार करता है। स्वदेशी के मंत्र को अपनाकर हमें अपने अध्ययन और कामकाज में हिंदी का अधिकतम उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम का आयोजन हिंदी अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार द्वारा किया गया और संचालन आदर्श कुमार, हिंदी अनुवादक ने किया।

घट स्थापना के साथ 53वें रामायण मेले का शुभारंभ

हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी प्रगति समाज और एग्जिबिशन समिति के संयुक्त तत्वावधान में 22 सितंबर 2025 को नुमाइश मैदान में 53वें रामायण मेले का शुभारंभ विधि-विधान के साथ घट स्थापना के साथ हुआ।

मेले के प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी कि माताजी की घट स्थापना का पूजन जसवंत भाई पटेल, ब्रिज गोपाल असावा और डॉ. मोहन गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में एग्जिबिशन समिति के राजेश्वर, सुकेश रेड्डी, हनुमंत राव, डॉ. भगवत राव, कोलेरू पवन कुमार, वेणुगोपाल भट्ट, रामकृष्ण पांडे, मनोज जायसवाल, सुमित राठी, गिरधारी लाल दागा, नंद गोपाल बाटड़, रामदेव नगला, पवन मिश्रा, कमला राठी, प्रेमलता काकानी, श्याम नवंबर, महेंद्र व्यास, रूबी मिश्रा, मेघा रानी अग्रवाल, शंकरलाल बलदवा, उमेश अग्रवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गोविंद राठी ने सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि पिछले 52 वर्षों से यह मेला निरंतर आयोजित हो रहा है और 53वां वर्ष भी पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल ने इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दीं। गोविंद राठी ने बताया कि मेले का समापन 2 अक्टूबर 2025 को होगा, जिसमें शम्मी पूजन, श्री राम जी का राज्याभिषेक और रावण दहन जैसे प्रमुख आयोजन होंगे।



इसके साथ ही गगन भेदी आतिशबाजी का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी परिवारों से इस समापन समारोह में शामिल होने का आह्वान किया। मेले के आयोजन में स्थानीय समुदाय की सक्रिय

भागीदारी देखी गई। गोविंद राठी ने विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे इस तरह के सांस्कृतिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें ताकि हमारी परंपराएं और संस्कृति जीवंत रहें।

डॉ. शंकर सिंह ठाकुर के हिंदी प्रचार सभा रजिस्ट्रार बनने पर सभा में सम्मान



हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के नए रजिस्ट्रार डॉ. शंकर सिंह ठाकुर के पदभार संभालने पर सभा के मुख्यालय में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। प्रमुख साहित्यकार तथा दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. मोहम्मद सादिक ने सभा में पधारकर उनका शाल और पुष्पगुच्छ से सम्मान किया। इस अवसर पर सभा के सदस्यों ने डॉ. ठाकुर के योगदान की सराहना की और हिंदी के प्रचार-प्रसार में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। समारोह में डॉ. मोहम्मद सादिक ने कहा कि सभा के लिए यह गौरव की बात है कि डॉ. शंकर सिंह ठाकुर जैसे विद्वान यहां कार्यरत हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इनके नेतृत्व में सभा और आगे बढ़ेगी तथा नई ऊंचाइयों को छुएगी। इस अवसर पर सभा के कार्यालय मंत्री के. वेंकटेश्वर, नामदेव वाघमोडे, सी. शिवलिंगम, माया पांडे, सी. विनोद कुमार रेड्डी, भानुदास, प्रतिभा कुलकर्णी, के. सरिता, श्रीकांत, करुणाश्री, अरुणा आदि उपस्थित हुए। सभी ने समारोह में भाग लेकर सभा की एकता और सांस्कृतिक समर्पण को प्रदर्शित किया।

अग्रवाल समाज वरंगल शाखा में 5149वीं अग्रसेन जयंती धूमधाम से मनाई गई



वरंगल, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज वरंगल शाखा ने श्री अग्रसेन जयंती के 5149वें उत्सव को बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया। पिछले पंद्रह दिनों से आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों, जैसे खेलकूद, क्रिकेट, और अंतर्द्वारी, के बाद आज श्री अग्रसेन भवन में युवा मंच और महिला मंच के तत्वावधान में एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री अग्रसेन जी की आरती के साथ हुई, जिसके बाद बच्चों, बच्चियों और महिलाओं ने पूरे जोश और

मेहनत के साथ रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। शाखा अध्यक्ष श्री दीलत नरसिंघपुरिया ने अपने संदेश में समाज के सबसे निचले तबके को साथ लेकर चलने पर जोर दिया और सामाजिक एकता की महत्ता बताई। कार्यक्रम में शाखा उपाध्यक्ष अनिल गोयल, महामंत्री चंचल अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य कैलाश बंसल, और परामर्शदाता बनवारीलाल गोयल ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। युवा मंच अध्यक्ष सुनील अग्रवाल और महिला मंच अध्यक्ष श्रीमती सरोज गोयल ने अपने संदेश में अपनी-अपनी

टीमों और समाज बंधुओं के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। सुनील अग्रवाल ने कहा, युवाओं की ऊर्जा और उत्साह इस आयोजन की रीढ़ हैं। श्रीमती सरोज गोयल ने महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को समाज की प्रगति का आधार बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने भोजन प्रसाद का आनंद लिया। सभी प्रतियोगियों और प्रत्याशियों को उपहार प्रदान किए गए। आयोजकों ने सभी सहभागियों और प्रायोजकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को और भव्य बनाने का संकल्प लिया।

बेगम बाजार पर हुआ अन्नदान



हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को शारदीय नवरात्र की द्वितीय तिथि

को बेगम बाजार भूदेवी माता मंदिर स्थित गोशाला के पास नियमित अन्नदान किया गया। इस अवसर पर महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, रितेश गुप्ता, गोविंद राम पंचेरीया, मनोज शर्मा, आशीष, किशन पाल आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री रेवंत ने की मेडाराम महा जतारा के लिए केंद्र से धन आवंटित करने की मांग

मुलुगु (तेलंगाना), 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज केंद्र सरकार से जनवरी 2026 में होने वाले प्रतिष्ठित आदिवासी त्योहार मेडाराम महा जतारा के आयोजन के लिए धन आवंटित करने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने केंद्र से मेडाराम जतारा को राष्ट्रीय त्योहार का दर्जा देने और इस आयोजन को भव्य स्तर पर करने के लिए राज्य सरकार को पर्याप्त सहायता प्रदान करने का भी आग्रह किया।

एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने केंद्र से सवाल किया कि वह मुलुगु जिले में प्रसिद्ध सरारज़ज़र डीरश्रारा मंदिर में होने वाली भारत की सबसे बड़ी आदिवासी जतारा को समर्थन क्यों नहीं दे रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार कुंभ मेले के लिए हजारों



कोड़ रुपये जारी कर रही है, लेकिन मेडाराम जतारा के प्रति उदासीनता दिखा रही है, जिसे 'आदिवासी कुंभ मेला' भी कहा जाता है।

मुख्यमंत्री ने पिछली बीआरएस सरकार पर भी अपने 10 साल के शासन के दौरान मेडाराम मंदिर के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मंदिर के विकास के लिए आवश्यक धनराशि जारी

करने के लिए तैयार है। यह न केवल मेरी जिम्मेदारी है, बल्कि मंदिर का दौरा करना और गर्भगृह का विकास करना एक भावना भी है, उन्होंने कहा। उन्होंने याद दिलाया कि देवी-देवताओं - सम्मक्का-सारालम्मा - के आशीर्वाद से, उन्होंने 6 फरवरी, 2023 को पिछली सरकार को हटाने के लिए प्रसिद्ध मंदिर से पदयात्रा शुरू की थी। मुख्यमंत्री ने आदिवासी

समुदाय के लिए उठाए गए कल्याण और विकास कार्यक्रमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरकार ने आईटीडीए क्षेत्रों में अतिरिक्त इंदिराम्मा घर स्वीकृत किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने आदिवासियों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए सभी योजनाएँ तैयार की हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय को इस देश का मूल निवासी माना जाता है, और सरकार ने मंदिर के विकास में स्थानीय आदिवासी लोगों और पुजारियों को भागीदार बनाया है।

मुख्यमंत्री ने मंदिर के विकास और पुनर्निर्माण के लिए करोड़ों रुपये खर्च करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह पहल सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक भावनात्मक प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि मंदिर का विकास स्थायी पथर की संरचनाओं के साथ किया

जाएगा जो इतिहास के प्रमाण के रूप में खड़े रहेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सम्मक्का-सारालम्मा के संघर्ष से प्रेरणा लेकर भक्ति के साथ काम करें।

पंचायत राज और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डी. अनुसूया सीताक्का, जो मंच पर मौजूद थीं, ने मुख्यमंत्री के दौरे को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र का सौभाग्य है कि रेवंत रेड्डी स्वयं आदिवासी रीति-रिवाजों और परंपराओं के अनुसार मंदिर विकास का कार्य करने के लिए आगे आए हैं। सीताक्का ने कहा, आज मेरा धन्य जन्मदिन है, और मैं इस पहल का हिस्सा बनना एक दिव्य आशीर्वाद मानती हूँ। उन्होंने लोगों से सरकार के प्रयासों में पूरा सहयोग देने की अपील की।

शमशान घाटों को छेड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा : तलसानी श्रीनिवास यादव



हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व मंत्री और सनत नगर के विधायक, तलसानी श्रीनिवास यादव ने चेतावनी दी है कि जो लोग शमशान घाटों को हड़पने की कोशिश करेंगे, उन्हें

स्थानीय लोगों ने विधायक को बताया कि कुछ लोग कई सालों से उनके कब्जे में रहे शमशान घाट को हड़पने के लिए निर्माण कार्य कर रहे हैं। इस घटना के संबंध में, सिकंदराबाद के

अवैध निर्माण पर अधिकारियों को निर्देश

बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वे कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों। उन्हें यह जानकारी मिली थी कि एक शमशान घाट पर अवैध निर्माण किया जा रहा है। इसके बाद, मंगलवार को उन्होंने राजस्व, जीएचएमसी और पुलिस अधिकारियों के साथ बंसीलालपेट डिवीजन के सीसी नगर में कुर्मा संघ के शमशान घाट का दौरा किया।

आरडीओ साईबाबा ने स्पष्ट किया कि रिकॉर्ड के अनुसार, यह जगह शमशान घाट के रूप में ही दर्ज है। हालाँकि, निर्माण करने वाले व्यक्ति ने अदालत से स्टे ऑर्डर ले लिया था। आरडीओ ने विधायक को समझाया कि अदालत ने जिस सर्वे नंबर पर स्टे दिया है, वह शमशान घाट के सर्वे नंबर से अलग है। इस पर, विधायक ने पुलिस अधिकारियों

को निर्देश दिया कि यदि आवश्यक हो तो शमशान घाटों को छेड़ने वालों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जाएँ। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को भी तुरंत अदालत में वास्तविक स्थिति प्रस्तुत करने और स्टे को रद्द करने के लिए कार्रवाई करने का आदेश दिया।

तलसानी श्रीनिवास यादव ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे इस बात की जाँच करें कि अवैध निर्माण की अनुमति किसने दी और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करें। उन्होंने शमशान घाट में चल रहे निर्माण कार्यों को तुरंत सीज़ करने का भी आदेश दिया। उन्होंने कुर्मा संघ के नेताओं को आश्वासन दिया कि एक बार मामला सुलझने के बाद, शमशान घाट में सभी आवश्यक सुविधाएँ प्रदान कर इसे उनके हवाले कर दिया जाएगा।

इस अवसर पर, विधायक के साथ कॉर्पोरेटर कुर्मा हेमलता, डीसी डाकू नायक, सिकंदराबाद के तहसीलदार पांडु नायक, कुर्मा संघ के नेता शिव प्रसाद, वेंकट बाबू, अरुण कुमार, सुरेश, बीआरएस डिवीजन अध्यक्ष वेंकटेशन राजू, और अन्य नेता जैसे लक्ष्मीपति, येसूरी महेश, प्रेम कुमार, शांति कुमार, श्रीकांत रेड्डी, कुमार यादव, अब्बास, फहीम आदि मौजूद थे।

महाराजा अग्रसेन सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं : प्रमोद केडिया



नांदेड़, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रसेन कोऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन प्रमोद केडिया ने कहा कि भगवान अग्रसेन जी महाराज सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं।

उन्होंने राष्ट्र और समाज के निर्माण के लिए एक रुपया और एक ईंट का जो सिद्धांत दिया, उसका कोई और बड़ा उदाहरण दुनिया में कहीं नहीं मिलता। नांदेड़ अग्रवाल

समाज द्वारा आयोजित अग्रसेन जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए श्री केडिया ने कहा कि हमें महाराजा अग्रसेन द्वारा बताए गए मार्ग पर चलना चाहिए, क्योंकि इसी से समाज और राष्ट्र का उत्थान होगा।

समारोह के विशिष्ट अतिथि, राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक रामप्रकाश अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि अग्रसेन जी महाराज ने विश्व बंधुत्व की जो कल्पना की थी, उसे साकार करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने वर्तमान समय में संगठित होने को सबसे बड़ी आवश्यकता बताया।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज नांदेड़ के बनारसी दास अग्रवाल, नरेश गोयनका, दिलीप मोदी, नवल और अन्य कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा ने मनाई महाराजा अग्रसेन जयंती



हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज की शालीबंडा शाखा और शालीबंडा महिला शाखा ने मिलकर अग्रवाल प्रवर्तक महाराजा श्री अग्रसेन जी की जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शाखा के अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल के निवास स्थान पर संपन्न हुआ, जहाँ महाराज श्री की विधिवत पूजा और आरती की गई।

इस अवसर पर, दोनों शाखाओं

के कई प्रमुख पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे, जिनमें पुरुष शाखा से अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, मानद मंत्री पवन डोकानिया, संयुक्त मंत्री नवनीत अग्रवाल, कोषाध्यक्ष उमेश अग्रवाल शामिल थे। केंद्रीय समिति के सदस्यों में पंकज गोयनका, आनंद संघी, प्रकाश अग्रवाल, अजीत अग्रवाल, हरकिशन अग्रवाल, जगदीश अग्रवाल और खुश अग्रवाल भी मौजूद थे।

महिला शाखा की ओर से अध्यक्ष प्रतिमा अग्रवाल, संयुक्त मंत्री रेणु अग्रवाल और केंद्रीय समिति सदस्य प्रियंका डोकानिया, संगीता अग्रवाल और संतोष अग्रवाल ने कार्यक्रम में भाग लिया।

अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा की तेलंगाना प्रदेश शाखा ने अग्रसेन जयंती के अवसर पर मुसापेट गुड्डा शेड रोड स्थित संकट मोचन गौशाला में गौसेवा का आयोजन किया। यह कार्यक्रम महेश अग्रवाल के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जहाँ समाज के सदस्यों ने गौसेवा कर महाराजा अग्रसेन के सिद्धांतों को जीवंत किया। इस नेक कार्य में समाज के कई प्रमुख सदस्य उपस्थित थे, जिनमें सुनील मितल, ललित कुमार रंगटा, ईश्वर बंसल, जगदीश तायल, दीपा अग्रवाल और रजनी अग्रवाल शामिल थे। इन सभी ने मिलकर इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दिया।



पोचम्मा मंदिर में देवी नवरात्रि महोत्सव



आज का अल्पाहार

राधे राधे ग्रुप

स्व. श्री मृदालाल सूरजभनजी की पुण्यतिथि के अवसर पर सेवा : विजय ज्वैलर्स ग्रुप

वितरण स्थल : मेट्रो पिक्चर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड

SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

राजस्थानी मारवाड़ी समाज का सशक्त संगठन

राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में

पहनने योग्य पुराने कपड़ों का संग्रहण शिविर

शुक्रवार, 26 सितंबर से सोमवार, 29 सितंबर 2025 तक | स्थान : बाहेती भवन

समय : सुबह 10 बजे से सायं 6 बजे तक | सिद्धिअम्बर बाजार, हैदराबाद

उद्घाटनकर्ता	मुख्य अतिथि	विशेष अतिथि	अध्यक्ष
श्री अंजली कुमार अग्रवाल	श्री जसमतभाई पटेल	श्री तरुण मेहता	श्री विरेन्द्र अग्रवाल
पूर्व अध्यक्ष, अग्रवाल समाज तेलंगाना	चेयरमैन, लव चार काऊ फाउण्डेशन	अध्यक्ष, गुराली ग्रामपंचायत	कोषाध्यक्ष, अग्रवाल समाज
श्रीमती जया रमेश	जगोरीदार	श्रीनिवास सोमाणी	राजस्थानी जागृति समिति

सभी समाज के परिवार के बंधुओं से निवेदन है कि पहनने योग्य पुराने कपड़ों को शिविर में देने की कृपा करें। अपने परिवार के सदस्यों के पहनने योग्य पुराने कपड़े, साड़ीयाँ, धाती, कुर्ता, पैन्ट, बुशर्ट, कमीज, जीन्स पैन्ट सलवार सूट्स, सफारी, छोटे - बड़े, लड्डूके-लड्डूकियों के सभी कपड़े, कम्बल, चदर, अनाज, घर में उपयोग होने वाले सामग्री, आपके द्वारा दिये हुए तेलंगाना के छोटे-छोटे ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद परिवार वालों में वितरण किया जायेगा।

अध्यक्ष : श्रीनिवास सोमाणी, उपाध्यक्ष : प्रेमचंद मुनीत जैन, अशोक कुमार हीरावल, सचिव : महेश अग्रवाल, सहसचिव : रामदेव नागला, कोषाध्यक्ष : संजय राठी, सहकोषाध्यक्ष : मनीष सोमानी, संगठन मंत्री : रमेश मोदनी, प्रचार प्रसार मंत्री : रिद्धि जगोरीदार, सदस्य : जयकाश लड्डू, बदीशाल तोषीवाल, बालाप्रसाद मोदनी, गोविन्दराव बिरादरी, बालप्रसाद लड्डू, श्रीमती हेमलता शर्मा, श्रीमती शोभा डगगा, श्रीमती अलका सांखला, रमेश दोननिया, प्रेम परवल

अन्य जानकारी हेतु समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी - 9396545077 एवं संयोजक संजय राठी - 9290062988 पर संपर्क करें।

हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजेंद्र नगर के हैदरागुड़ा स्थित लोनी श्री श्री श्री पोचम्मा मंदिर में देवी नवरात्रि के दूसरे दिन पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष यह उत्सव हर साल की तुलना में और भी भव्य तरीके से मनाया गया। इस पावन अवसर पर, मंदिर में विधिवत पूजा और हवन का आयोजन किया गया, जिसके बाद अनुराग कार्यक्रम भी हुआ। बड़ी संख्या में भक्तों ने देवी के दर्शन किए और अनुराग का प्रसाद ग्रहण किया। यह आयोजन भक्तों के बीच गहरी आस्था और उत्साह को दर्शाता है। इस मौके पर, बालासुब्रमण्यम और उनकी पत्नी, श्रीकांत, चिन्ति गारू, और मंदिर समिति के अध्यक्ष नरेंद्र सहित कई गणमान्य लोगों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और माता रानी का आशीर्वाद लिया।

...श्री आशापुरा माताजी नमः... श्री गणेशाय नमः... सोनाणा खेतलाजी नमः...

श्री आशापुरा माताजी का छठवा विशाल जागरण

जागरण : बुधवार 24/9/2025 भोजन प्रसादी रात 8 बजे से

श्री जंगल विठोबा मंदिर (आशापुरा माताजी मंदिर) विट्ठल नगर, गौलीगुड़ा, भाग्यनगर हैदराबाद

कार्यकारिणी सदस्य:

अनिता जांगिड एंड पार्टी रानी

श्री आशापुरा माताजी मित्र मंडल भाग्यनगर हैदराबाद के तत्वावधान में माँ आशापुरा माताजी का लगातार छठवा विशाल जागरण ता. 24/09/2025 बुधवार को जंगल विठोबा मंदिर, विट्ठल नगर, गौलीगुड़ा, हैदराबाद में आयोजित हो रहा है।

कार्यकारिणी सदस्य:

उदय सिंह जी चौहान पादरा, गंगा सिंह जी चौहान पादरा, करमी राम जी देवासी, महेंद्र सिंह जी देवड़ा दासपा, शैतान सिंह जी पादरा (पूर्व सरपंच), गोपाल सिंह जी चौहान पादरा, दलपत सिंह जी चौहान पादरा, शंकर ताल जी चौधरी (रेनबो टॉयज़), कुंदन सिंह जी देवड़ा कोय, ईश्वर सिंह जी चौहान चैनपुर, इंद्र सिंह जी चौहान वाती, चंदन सिंह जी (आरती कंप्यूटर्स), अश्विन सिंह जी देवड़ा जुंजानी, रणजीत सिंह जी चौहान नून, रूप चंद जी (माती मानव काम्प्लेक्स, फिलखाना), संतोष दवे जी, विक्रम सिंह जी राठौर बोस्टा RD, भत सिंह जी राणावत निम्बावाय, रडमत सिंह जी परिहार दांतवाड़ा, नरसा राम जी देवसी बोस्टा, हुकम सिंह जी सोलंकी नरसा, गुमान सिंह जी देवड़ा जुंजानी, लक्ष्मण जी देवारी बोस्टा (राजस्थान प्लाईवुड निजामपेट), मीरू सिंह जी चौहान नून दाता मार्केटिंग, गोपाल सिंह जी चौहान सितोडया (सिकंदराबाद), अभय सिंह जी चौहान पादरा, अर्जुन सिंह जी राठौर पावती, गुमान सिंह जी सोलंकी, पावती, शैतान सिंह जी दहिया वातेरा, महेंद्र सिंह जी दहिया सुराणा, संवुसिंह जी दहिया सेवड़ी, जेठू सिंह जी परमार लेटरग्रेटर, सुरेंद्र सिंह जी देवड़ा जुंजानी, लाधु सिंह जी राठौर मोरसिम, मनोहर सिंह जी चौहान नून, बाबू सिंह जी दहिया तुरा, महेंद्र सिंह जी चौहान, मोकनी खेड़ा, प्रकाश जी देवासी, चेतन सिंह जी राठौर भाद्र, जेसा राम जी देवासी, उदय सिंह राणावत निम्बावाय, प्रकाश जी राजपुरोहित जेरेन, राम सिंह जी परमार तड़वा, शैतान सिंह B चौहान पादरा, हरसन राम जी देवासी खानपुर, हुंगर सिंह जी चौहान कोड़ी, शैतान सिंह जी चौहान कोड़ी, हुंगर सिंह जी राठौर पावती, राम सिंह जी चौहान काठाड़ी, हरि सिंह जी दहिया उन्डी, हरि सिंह जी चौहान लाखनी, विकी भाई जैन बोस्टा, सोमत सिंह जी दहिया सेवड़ी

आयोजक

श्री आशापुरा माताजी मित्र मंडल, भाग्यनगर, हैदराबाद-12

9966605118 - 9989711962 - 7799451845 - 9603356812 - 9849014728 - 9700022412 - 9966620431 - 9440351347 - 9703021851